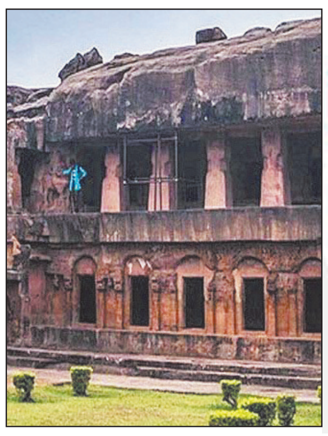

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ पेज: 7

जवान के बाद अब सलमान की फिल्म में ए शन का दम पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 63 | गुरुवार 04 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मालवीय नगर अग्निकांड में 21 लोगों की दर्दनाक मौत, गृह मंत्री अमित शाह ने घटना पर जताया दुख

नई दिल्ली एजेंसी: देश की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर में स्थित होटल में बुधवार की सुबह एक भीषण आग ने तांडव मचाया, जिसमें 21 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। इस घटना को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर गहरा दुख व्यक्त किया है। गृह मंत्री ने कहा कि स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटा हुआ है। इस हृदयविदारक त्रासदी में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर शोक संतप्त परिवारों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। इस घटना को लेकर दिल्ली के छत्रतरनजीत सिंह संधू ने कहा, "मालवीय नगर के हौज रानी स्थित एक होटल में लगी भीषण आग की घटना से मैं बेहद दुखी हूं।

सीएम योगी का विपक्ष पर तीखा हमला: 'पहले यूपी में कट्टा-बम बनते थे, आज ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है... जो बोली से नहीं माना, वो गोली से मान गया'

कुशीनगर एजेंसी: कुशीनगर की धरती से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास बनाम अराजकता के मुद्दे पर कहा कि पहले की सरकारों के समय उत्तर प्रदेश कट्टा-बम बनाने वालों की पहचान से जुड़ा था, जबकि आज वही उत्तर प्रदेश देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइल बना रहा है। पिछली सरकारें निर्दोष लोगों, व्यापारियों को लूटने के लिए कट्टा-बम बनाती थीं। बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाती थीं, लेकिन हमने इन शोहदों को ठीक किया है। जो ठीक नहीं हुआ, बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को कुशीनगर में 424+ करोड़ की 278 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की विकृत मानसिकता ने कुशीनगर को

बीमारी, भुखमरी और बेरोजगारी दी, लेकिन डबल इंजन सरकार ने इंसेफेलाइटिस और माफिया, दोनों पर प्रभावी प्रहार करते हुए विकास, सुरक्षा और रोजगार का नया वातावरण तैयार किया है। कुशीनगर अब पिछड़ेपन की पहचान नहीं, बल्कि बुलेट स्पीड से आगे बढ़ते नए उत्तर प्रदेश का प्रतीक बन रहा है। डबल इंजन सरकार के प्रयासों से कुशीनगर की तस्वीर बदल गई ५मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम के पुत्र कुश, भगवान बुद्ध और भगवान महावीर की तपोभूमि कुशीनगर आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, जबकि 9-10 वर्ष पहले यह जनपद पहचान के संकट, इंसेफेलाइटिस, माफिया राज, भूख, बेरोजगारी और अव्यवस्था से जूझ रहा था। खनन माफिया का आतंक था, किसान शोषण का शिकार था, उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता था, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं बदहाल थीं तथा फाजिलनगर व कसया क्षेत्र में मुसहर समुदाय के लोगों की भूख से मौत की खबरें आती थीं। 2014 में

उत्तर प्रदेश देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइल बना रहा है

कुशीनगर की धरती से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास बनाम अराजकता के मुद्दे पर कहा कि पहले की सरकारों के समय उत्तर प्रदेश कट्टा-बम बनाने वालों की पहचान से जुड़ा था, जबकि आज वही उत्तर प्रदेश देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइल बना रहा है। पिछली...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने नया रास्ता चुना और डबल इंजन सरकार के प्रयासों से कुशीनगर की तस्वीर बदल गई। आज जिले में लगभग 90 हजार गरीबों को आवास, 3.14 लाख से अधिक परिवारों को शौचालय, मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा सहित अनेक जनकल्याणकारी सुविधाएं मिल रही हैं। पहले दंगे, अपराध और अराजकता प्रदेश की पहचान बन गए थे, जबकि आज सुरक्षा, विकास और गरीब कल्याण नई पहचान है। बिना रुके, बिना डिगे और बिना झुके सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। मच्छर व माफिया, दोनों समस्याओं का किया समाधान मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस कुशीनगर में कभी मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय और एयरपोर्ट की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी, आज वहां अपना मेडिकल कॉलेज, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसी सुविधाएं साकार रूप ले चुकी हैं। इसी सत्र से कृषि विश्वविद्यालय का संचालन शुरू होगा और बच्चों का प्रवेश कराया जाएगा। किसानों को गन्ने का मूल्य 315 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये प्रति कुंतल दिया जा रहा है तथा भुगतान भी समय पर सुनिश्चित किया जा रहा है। इंसेफेलाइटिस की बीमारी लगभग समाप्त हो चुकी है, ठीक वैसे ही जैसे उत्तर प्रदेश से माफिया राज समाप्त हुआ है। मच्छर बीमारी लाता था और माफिया बेरोजगारी, लेकिन डबल इंजन सरकार ने दोनों समस्याओं का समाधान किया है। आज कुशीनगर की बेटियां व युवा पुलिस समेत विभिन्न सरकारी नौकरियों में चयनित हो रहे हैं तथा निवेश से पैदा हो रहे नए रोजगारों का लाभ भी उठा रहे

पीएम मोदी ने कर्नाटक के सीएम डी.के. शिवकुमार को दी बधाई, बोले- 'केंद्र करेगा पूरा सहयोग'

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 जून को कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर डीके शिवकुमार को बधाई दी और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार जन कल्याण के लिए राज्य के साथ सहयोग करेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री डीके शिवकुमार जी को कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई। उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं। केंद्र सरकार जनता के कल्याण के लिए कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर काम करेगी। लोक भवन में आयोजित एक समारोह में डीके शिवकुमार ने 34वें मुख्यमंत्री के रूप

में शपथ ली, जो राज्य में नेतृत्व परिवर्तन का प्रतीक है। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस अवसर के महत्व के प्रतीक के रूप में भारत के संविधान की एक प्रति अपने साथ लिए हुए, शिवकुमार ने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, धार्मिक नेताओं और भारत भर के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में शपथ ली। उपस्थित लोगों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल शामिल थे, जो नए राज्य नेतृत्व के प्रति पार्टी के एकजुट समर्थन को दशार्ते हैं। कर्नाटक में कांग्रेस के एक प्रमुख नेता शिवकुमार लगातार आठ बार कनकपुरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और 2020 से कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं। 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत और राज्य स्तर पर पार्टी के संगठन को मजबूत करने में उनकी अहम भूमिका रही। समारोह से पहले, शिवकुमार ने धार्मिक नेताओं से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया और शपथ ग्रहण से पहले अपनी माता के पैर छूकर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे, जिन्होंने कांग्रेस में शिवकुमार के दीर्घकालिक योगदान की सराहना की।

क्या देश का सोना बेचा जा रहा है? रुपया संकट पर केजरीवाल ने मोदी सरकार से पूछा सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को केंद्र सरकार से उन खबरों पर सवाल उठाए जिनमें कहा गया है कि रुपये के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होने के बीच भारत ने विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों को सहारा देने के लिए अपने सोने के भंडार का कुछ हिस्सा बेचा होगा। खबर लिखे जाने के समय, रुपया 95.691 प्रति अमेरिकी डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जिसमें 0.45% की वृद्धि हुई थी। ईरान संघर्ष से जुड़े भू-राजनीतिक दबावों के बीच विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों को सहारा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा कुछ सोने के भंडार बेचे जाने के दावे वाली खबर

पर प्रतिक्रिया देते हुए, केजरीवाल ने सरकार से अर्थव्यवस्था की स्थिति पर स्पष्टीकरण मांगा। पर एक पोस्ट में, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या रिपोर्ट सच है और इस तरह के कदम के निहितार्थों के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि क्या यह खबर सच है? क्या देश का सोना बेचा जा रहा है? क्या सरकार इतनी कंगाल हो गई है? पिछले 76 वर्षों में कई बार देश ने कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी सोना नहीं बेचा गया। क्या इसका मतलब है कि स्थिति बेहद खराब है? सरकार हमें कुछ क्यों नहीं बता रही है? देश की हालत क्या है? उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी कहते हैं कि वे बस अपना सामान उठाएंगे और चले जाएंगे। लेकिन हमें यहीं रहना होगा, हमें इसी देश में जीना होगा। ये टिप्पणियां 3 जून से शुरू हुई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक से पहले आरबीआई की मौद्रिक नीति पर चल रही चचाओं के बीच आई हैं। छह सदस्यीय समिति द्वारा ब्याज दरों, मुद्रास्फीति के रुझानों और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों पर विचार करने के बाद आरबीआई गवर्नर 5 जून को नीतिगत निर्णय की घोषणा करेंगे। वहीं, एसबीआई रिसर्च ने तर्क दिया है कि रुपये पर दबाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद रेपो दर बढ़ाने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय, उसने सुझाव दिया कि केंद्रीय बैंक अल्पकालिक ब्याज दर उपायों और तरलता प्रबंधन उपायों पर निर्भर रह सकता है।

तमिलनाडु में विजय का बड़ा सियासी दांव, कांग्रेस को दी अपनी राज्य सभा सीट

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) ने बुधवार (3 जून) को तमिलनाडु में होने वाले उपचुनाव के लिए अपने गठबंधन सहयोगी कांग्रेस को राज्यसभा की एक सीट आवंटित की। गौरतलब है कि कांग्रेस राज्य में टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन का एक महत्वपूर्ण घटक है। पार्टी प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने एक बयान में कहा, "तमिलनाडु में 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव में, तमिलगा वेट्री कजगम के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपने गठबंधन सहयोगी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को राज्यसभा की सीट आवंटित करने का निर्णय लिया है। तदनुसार, तमिलनाडु में चुनाव के माध्यम से भरी जाने वाली राज्यसभा सीट भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को आवंटित की गई है, जो तमिलगा वेट्री कजगम के नेतृत्व वाले गठबंधन का एक घटक है। 18 जून को तमिलनाडु में राज्यसभा चुनाव तमिलनाडु की एकमात्र राज्यसभा

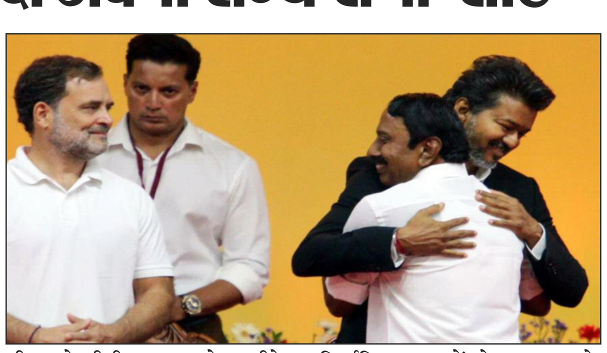

सीट, जो सीवी शनमुगम के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी, पर उपचुनाव 18 जून को होगा। रिटर्निंग ऑफिसर पी थेनमोझी ने मंगलवार को यह घोषणा की। 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में मैलम विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए पूर्व राज्य मंत्री शनमुगम ने 7 मई को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था, जिसके कारण रिक्ति को भरने के लिए उपचुनाव आवश्यक हो गया। तमिलनाडु विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह चुनाव तमिलनाडु विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों के मतदान के माध्यम से राज्य परिषद में आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए आयोजित किया जाएगा। नामांकन पत्र रिटर्निंग ऑफिसर पी थेनमोझी या सहायक रिटर्निंग ऑफिसर पर्लाइन रूपकुमार के समक्ष रविवार और 7 जून को छोड़कर सभी कार्यदिवसों में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच जमा किए जा सकते हैं। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून है। नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को सुबह 11 बजे होगी।

इधर अभिषेक के घर पहुंची ईडी , उधर एलओपी बन ऋतब्रत बनर्जी बोले- जो नहीं लगेगा उन सरकारी नीतियों का करेंगे विरोध

नई दिल्ली एजेंसी: बंगाल की राजनीति में ममता बनर्जी को एक साथ दो बड़े झटके लगे हैं। एक तरफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची है, तो दूसरी ओर विधानसभा स्पीकर ने ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) के रूप में मान्यता दे दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या बंगाल की सियासत में सत्ता पक्ष के लिए मुश्किलों का नया दौर शुरू हो गया है? णमूल पार्टी से पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित विधायक रितब्रता बनर्जी को बंगाल विधानसभा अध्यक्ष द्वारा विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी गई, जब 60 विधायकों ने उनके समर्थन में पत्र प्रस्तुत किए। रितब्रता बनर्जी ने कहा कि टीएमसी विधायक दल में 58 विधायक शामिल हैं जिन्होंने पार्टी चिन्ह पर जीत हासिल की है और दो अन्य विधायक भी जल्द ही हमारे साथ जुड़ेंगे। रितब्रता ने बताया कि जावेद खान, संदीपान साहा, सबीना यास्मीन और शिउली साहा टीएमसी विधायक दल के उपनेता होंगे। इसी क्रम में टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष रथेंद्र बोस को संबोधित करते हुए विधानसभा में पार्टी की प्रमुख नियुक्तियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शोभनदेब चट्टोपाध्याय को सदन का नेता नियुक्त किया गया है।

आशिमा पात्रा और नयना बंदोपाध्याय को विधानसभा में उपनेता नियुक्त किया गया है, जबकि फिरहाद हकीम को मुख्य सचेतक बनाया गया है। णमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को अपने दो विधायकों, संदीपान साहा और ऋतब्रता बनर्जी को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया।

मिशन 2027 के लिए योगी सरकार का बड़ा दांव: यूपी के मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों में भारी फेरबदल, नए चेहरों को भी मिली बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों में बड़ा फेरबदल करते हुए कई वरिष्ठ और नए मंत्रियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। हाल ही में मंत्रिमंडल में शामिल किए गए मंत्रियों को भी महत्वपूर्ण जिलों का प्रभार दिया गया है। भाजपा सरकार के इस कदम को वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले संगठन और प्रशासनिक समन्वय को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत वरिष्ठ मंत्री भूपेंद्र चौधरी को आगरा के साथ कासगंज जिले का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। हाल ही में कैबिनेट में शामिल हुए मनोज पांडेय को सीतापुर का प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा अजीत पाल को फतेहपुर, समेंद्र तोमर को मुजफ्फरनगर, हंसराज विश्वकर्मा को सोनभद्र तथा सुरेन्द्र दलेर को बुलंदशहर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों को मिली जिलों की कमान कैबिनेट मंत्रियों में सूर्य प्रताप शाही को अयोध्या और बस्ती, सुरेश कुमार खन्ना को

वाराणसी और लखनऊ, स्वतंत्र देव सिंह को प्रयागराज और गोरखपुर, बेबी रानी मौर्य को इटावा और हाथरस, लक्ष्मी नारायण चौधरी को अलीगढ़ और फिरोजाबाद तथा जयवीर सिंह को झांसी और फरुखाबाद का प्रभार दिया गया है। इसी प्रकार धर्मपाल सिंह को गाजियाबाद और रामपुर, नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी को मिजार्पुर और चित्रकूट, अनिल राजभर को आजमगढ़ और सिद्धार्थनगर, राकेश सचान को रायबरेली और कन्नौज तथा अरविन्द कुमार शर्मा को जौनपुर और भदोही की जिम्मेदारी दी गई है। कानपुर, सहारनपुर और मुरादाबाद समेत कई जिलों के बदले प्रभारी इसके अलावा योगेन्द्र उपाध्याय को कानपुर नगर, आशीष पटेल को गोंडा, संजय निषाद को कानपुर देहात, ओम प्रकाश राजभर को अंबेडकरनगर, दारा सिंह चौहान को कुशीनगर और श्रावस्ती, सुनील कुमार शर्मा को सहारनपुर तथा अनिल कुमार को मुरादाबाद का प्रभारी बनाया गया है। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के स्तर पर नितिन अग्रवाल को लखीमपुर खीरी, कपिल देव अग्रवाल को बिजनौर, रवीन्द्र जायसवाल को गाजीपुर, सन्दीप सिंह को मथुरा, गुलाब देवी को अमरोहा तथा गिरीश चन्द्र यादव को सुल्तानपुर का प्रभार सौंपा गया है।

मालवीय नगर होटल में आग: दिल्ली अग्निकांड में 17 विदेशियों समेत 21 की मौत, 8 की हालत नाजुक

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में लगी भीषण आग में मारे गए 21 लोगों में 17 विदेशी नागरिक शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में से अधिकांश लाइबेरिया, नाइजीरिया, मोजाम्बिक और बांग्लादेश के निवासी थे। इससे पहले, सुबह लगभग 8:48 बजे मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे बीएंडबी में लगी भीषण आग में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में 15 से अधिक विदेशी नागरिक शामिल थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मैक्स हेल्थकेयर ग्रुप के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप बुधिराजा ने बताया कि आग में घायल हुए आठ मरीज फिलहाल वेंटिलेटर पर हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। बुधिराजा ने बताया, आठ मरीज वेंटिलेटर पर हैं और उनका इलाज चल रहा है। इनमें से अधिकांश को दम घुटने से चोटें आई हैं, जो धुएं के कारण हुई हैं। सभी को मामूली जलन हुई है, गहरी जलन नहीं। एक मरीज 25 प्रतिशत से अधिक जल गया था। वह वेंटिलेटर पर था,

इसलिए हमने उसे सफदरजंग अस्पताल के बर्न वार्ड में स्थानांतरित कर दिया। पांच मरीजों की हालत स्थिर है और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। डॉक्टर ने आगे बताया कि आग से बचने के लिए ऊपरी मंजिलों से कूदने के कारण कई मरीजों की हड्डियां टूट गईं। बुधिराजा ने बताया, "इन मरीजों को मुख्य रूप से दो या तीन प्रकार की चोटें आई थीं: फेफड़ों में चोट, मामूली जलन और हड्डियों में चोट। कई मरीजों ने ऊंची इमारतों से कूदने का दावा किया, जिसके परिणामस्वरूप हड्डियों में फ्रैक्चर हुए, जिनमें लंबी हड्डियां और श्रोणि की

बुधिराजा ने बताया, 'इन मरीजों को मुख्य रूप से दो या तीन प्रकार की चोटें आई थीं: फेफड़ों में चोट, मामूली जलन और हड्डियों में चोट। कई मरीजों ने ऊंची इमारतों से कूदने का दावा किया, जिसके परिणामस्वरूप हड्डियों में फ्रैक्चर हुए, जिनमें लंबी हड्डियां और श्रोणि की हड्डियां शामिल हैं। एक मरीज को रीढ़ की हड्डी में चोट आई है

हड्डियां शामिल हैं। एक मरीज को रीढ़ की हड्डी में चोट आई है और उसकी न्यूरोसर्जरी चल रही है। उन्होंने आगे बताया कि पीड़ितों में भारतीय और विदेशी नागरिक दोनों शामिल थे और मृतकों की संख्या 18 थी, जिनमें नौ पुरुष और नौ महिलाएं थीं। इस बीच, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (दक्षिण क्षेत्र) अभिलाष कुमार मलिक ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा ने सुबह 8:50 बजे सूचना मिलने के बाद शुरू में सात दमकल गाड़ियां भेजीं, बाद में घटना की गंभीरता स्पष्ट होने पर कर्मचारियों और उपकरणों की संख्या बढ़ा दी गई। शुरू में एक सहायक मंडल अधिकारी के साथ सात वाहन भेजे गए थे। हालांकि, जैसे-जैसे कॉल बढ़ती गईं, हमने वाहनों की संख्या और अधिकारियों की श्रेणी बढ़ा दी। जब हमारी टीम शुरू में पहुंची, तो उन्होंने आग बुझाने और तलाशी अभियान चलाया। हमने वहां से 39 लोगों को निकाला और उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक निरीक्षण में इमारत में संरचनात्मक और अग्नि सुरक्षा संबंधी गंभीर खामियां सामने आई हैं। इमारत में एक तहखाना, एक भूतल और पांच ऊपरी मंजिलें हैं। लिफ्ट के साथ केवल एक सीढ़ी थी। इमारत पूरी तरह से सील थी, खिड़कियां बंद थीं, जिससे हवा आने-जाने या धुएं के निकलने का कोई रास्ता नहीं था।

संपादकीय

नशे पर शिकंजा

निस्संदेह, नशे का निरंतर फैलता काला कारोबार एक राष्ट्रीय संकट है। देश के विभिन्न भागों में करोड़ों-अरबों रुपये मूल्य के विदेशों से आने वाले नशीले पदार्थों की बरामदगी भयावह संकट की तसवीर उकेरती है। संगठित विदेशी अपराधियों की साजिशों और देश में फैले नशा तस्करों का गठजोड़, इस नशीले जहर के कारोबार को चला रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि देश की तमाम खुफिया एजेंसियां व राज्य के विशेष पुलिस बल योजनाबद्ध ढंग से नशा कारोबारियों की कमर तोड़ें। लेकिन फिर भी कई राज्यों द्वारा चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान बिगड़ते हालात सुधारने में किसी हद तक मददगार साबित हो सकते हैं। पिछले दिनों पंजाब में भी ऐसा अभियान चलाया गया। अब सीमावर्ती जम्मू-कश्मीर में वर्षों से गहराते नशे के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया जा रहा है। सवाल यह है कि राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने में इतना वक्त क्यों लगा? अब भले ही देर से ही सही, यह पहल शुरू करना वक्त की जरूरत है। नशे के नश्तर से हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है और कई घरों के चिराग असमय बुझ रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बीस जिलों का दौरा करके सौ दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं इस अभियान का सुखद पहलू यह है कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, इस कोशिश को प्रतिबंधित संगठन जमाते-ए-इस्लामी के एक गुट का भी समर्थन मिला है। कहना कठिन है कि इस समर्थन का हकीकत में असर कितना होगा। लेकिन इस घोषणा ने सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि समाज के विभिन्न वर्गों के सामूहिक प्रयासों से ही इस भयावह होते संकट का मुकाबला किया जा सकता है। सही मायने में समाज में व्याप्त तमाम वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए, सामूहिक व निरंतर प्रयासों से ही नशा मुक्ति की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। वास्तव में नशा विरोधी अभियान के मार्ग में बाधा पैदा करने वाली जटिलताओं के मुकाबले के लिये कुछ दिन, कुछ माह के अभियान के बजाय साल में 365 दिन चलने वाली रणनीति अपनाने की जरूरत है। कभी-कभार चलाए जाने वाले अभियान इसके लक्ष्य को पाने में ज्यादा मददगार साबित नहीं हो सकते। इस संकट के समाधान के लिये नशे की लत के सामाजिक पहलुओं की भी व्यापक पड़ताल जरूरी है। कारगर समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर रणनीति बनाने की जरूरत होती है। निस्संदेह, नशे की लत के तमाम कारण हमारे समाज में विद्यमान हैं। जिनके निराकरण की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। मसलन इस व्यसन के मूल में समाज में व्याप्त बेरोजगारी, निराशा, सामाजिक व आर्थिक असमानताएं, बुरी संगत का असर तथा मादक पदार्थों की समाज में आसान उपलब्धता आदि कारक निहित हैं। चिंताजनक है कि नशा अब स्कूल-कालेजों तक को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। कई राज्यों में नशे की आपूर्ति में बच्चों को इस्तेमाल करने के चिंताजनक उदाहरण सामने आए हैं। वहीं यदि नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे पुनर्वास कार्यक्रमों में शिथिलता अपनायी जाती है तो सख्ती से हासिल होने वाली उपलब्धियां व्यर्थ हो जाती हैं। यह सत्य है कि नशा एक ऐसा रोग है, जिसका कोई आसान इलाज उपलब्ध नहीं है। जहां एक ओर नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है, तो दूसरी ओर इसकी तलब को काबू करने के लिये भी प्रयास जरूरी हैं।

चिंतन-मनन

भलाई का भाव होता है यज्ञ

एक भाव होता है मेरा दूसरा है मेरे लिए और तीसरा है सबके लिए। मेरा में इंसान केवल अपने बारे में ही सोचता रहता है और ये पक्का कर लेता है कि मेरे पास जो है, वो केवल मेरा है, मैंने कमाया है, मुझे मिला है और इस पर केवल मेरा ही अधिकार है। यह सोच अज्ञानी लोगों की होती है, जो हमारे अहंकार को बनाये रखती है। मेरे लिए अर्थात इंसान सोचता है कि जो भी मेरे पास है, ये मेरा नहीं बल्कि मेरे लिए है। इसका स्वामी मैं नहीं बल्कि ये सब मुझे इस्तेमाल करने के लिए मिला है। वो इसी भाव को मन में रखता है। यह सोच मध्यम दर्जे के लोगों की होती हैं।

तीसरा भाव है सबके लिए मतलब जो मेरे पास है, वो मेरा ही नहीं और मेरे लिए नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विचार उत्तम दर्जे के इंसानों का होता हैं। इसी को यज्ञ कहा जाता है। जब मन में सबकी भलाई का भाव हो वही यज्ञ है। जो सबका ध्यान रखकर बाद में अपना सोचता है वही श्रेष्ठ इंसान है। इस तरह का यज्ञ अहंकार को गला देता है। ऐसी भावना के साथ साधना करने वाला ब्रह्म को पा लेता है। जो मनुष्य केवल मेरा-मेरा में ही फंसा रहता है, वो ना तो इस जन्म में सुख पाता न ही मरने के बाद परलोक में।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

डिजिटल आक्रामकता के जाल में फंसा बचपन

दिलीप कुमार पाठक

आजकल घरों में शाम के वक्त एक खामोश नजारा दिखाई देता है। पूरा परिवार एक ही कमरे में, एक ही सोफे पर साथ बैठा होता है, लेकिन आपस में कोई बातचीत नहीं होती। सब के सब चुपचाप अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। माता-पिता भी इस बात से बड़े खुश और बेफिक्र रहते हैं कि उनका बच्चा बाहर धूप या धूल-मिट्टी में नहीं घूम रहा है, बल्कि घर के अंदर आराम से सुरक्षित बैठा है। लेकिन क्या कभी हमने ठंडे दिमाग से बैठकर यह सोचने की कोशिश की है कि स्क्रीन में अपनी आंखें गड़ाए बैठा हमारा यह मासूम बच्चा अंदर ही अंदर किस मानसिक दौर से गुजर रहा है? कहीं उसके नन्हें दिमाग पर नकारात्मक असर तो नहीं हो रहा?

हर साल 4 जून को पूरी दुनिया में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पुराने जमाने में जब इस दिन की चर्चा होती थी, तो बच्चों पर अत्याचार का सीधा सा मतलब लड़ाई-झगड़े, युद्ध, दंगे या फिर फैक्ट्रियों में होने वाली बाल-मजूदरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के इस आधुनिक और डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली हिंसा का पूरा चेहरा ही बदल चुका है। अब यह आक्रामकता सड़क पर शोर नहीं मचाती। अब यह हिंसा बिना किसी आवाज के, इंटरनेट के महीन रास्तों से रेंगती हुई सीधे हमारे घरों के भीतर और हमारे बच्चों के दिमाग पर सीधा हमला कर रही है। जरा रुककर गंभीरता से सोचिए। आपका बच्चा आपके ठीक सामने बैठा हो सकता है, लेकिन मुमकिन है कि ठीक उसी वक्त उसका कोमल मन किसी बहुत गहरे तनाव या डर में डूब रहा हो। ऑनलाइन गेम खेलते समय किसी अनजान शख्स द्वारा दी गई गंदी गालियां, सोशल मीडिया पर दोस्तों द्वारा उड़ाया गया उसका कोई भद्दा मजाक, या फिर इंटरनेट के समंदर में छिपे किसी अपराधी की गंदी नजर। यह डिजिटल आक्रामकता ऐसी होती है जो बाहर से शरीर पर दिखाई नहीं देती, इसलिए इसके जख्म और भी ज्यादा गहरे होते हैं। यह अदृश्य हमला बच्चे के आत्मविश्वास को भीतर ही भीतर खोखला कर देता है। सबसे ज्यादा डरावना तो यह है कि इंटरनेट के इस गंदे खेल में कोई तीसरा देखने वाला गवाह नहीं होता, सिवाय उस एक सहमे हुए और अकेले पड़ चुके बच्चे के।

वैश्विक संस्था यूनिसेफ की एक हालिया रिपोर्ट साफ कहती है कि दुनिया में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला हर तीसरा इंसान असल में एक बच्चा है। और इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक बहुत बड़ी आबादी ऑनलाइन किसी न किसी रूप में मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का शिकार होती है। हम अपनी व्यस्त जिंदगी में बच्चों को रोने से रोकने या उन्हें शांत बैठाने के लिए खिलौने की जगह मोबाइल थमा देते हैं। यह डिजिटल झुनझुना शुरू-शुरू में तो हमें बड़ी राहत देता है, लेकिन धीरे-धीरे यही मोबाइल बच्चे और माता-पिता के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा के लिए बंद कर देता है। जब बच्चा इंटरनेट की किसी बड़ी मुसीबत या ब्लैकमेलिंग में फंसता है, तो वह लोक-लाज और डर के मारे अपने मम्मी-पापा को कुछ नहीं बता पाता। वह अंदर ही अंदर घुटता रहता है, उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और वह खुद को एक अंधेरे कमरे में बंद कर लेता है। अब वह समय आ गया है जब हमें इस बढ़ते हुए खतरे को गहराई से समझना होगा। यह कोई ऐसी सामाजिक समस्या नहीं है जो केवल पुलिस की मुस्तैदी या सरकार के कड़े कानून बना देने भर से ठीक हो जाएगी। इस बीमारी के इलाज की शुरूआत हमारे अपने घर के भीतर से ही होगी। बच्चों को महंगे स्मार्टफोन या गैजेट्स लाकर देने से कहीं ज्यादा जरूरी है उन्हें अपना कीमती वक्त देना। अपने बच्चों के बदलते हुए बर्ताव पर हमेशा नजर रखिए। अगर आपका हंसता-खेलता बच्चा अचानक गुमसुम रहने लगा है, बात-बात पर गुस्सा कर रहा है या आपसे अपना फोन छिपाने लगा है, तो उसे डांटने या मारने की गलती बिल्कुल मत कीजिए। उसके पास बैठिए, प्यार से हाथ थामिए, उससे खुलकर बातें कीजिए और उसे यह भरोसा दिलाइए कि दुनिया की चाहे जो भी मुसीबत हो, उसके मम्मी-पापा हमेशा उसके साथ खड़े हैं। इस देश के बचपन को सुरक्षित और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आइए, इस डिजिटल दौर में अपने बच्चों के सबसे अच्छे और सच्चे दोस्त बनें। उनके हाथ से कुछ देर के लिए फोन छीनकर उन्हें पास के मैदान में खेलने के लिए भेजें, रात को सोने से पहले उनसे गप्पें मारें और उन्हें खुलकर हंसने का असली मौका दें। जब तक हम उनके लिए घर में एक सुरक्षित और भरोसेमंद माहौल नहीं बनाएंगे, तब तक स्क्रीन के पीछे का यह रोना कभी बंद नहीं होगा। हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य मोबाइल की इस छोटी सी स्क्रीन में घुट-घुट कर जीने के लिए नहीं, बल्कि खुले आसमान के नीचे खुलकर जिंदगी जीने के लिए है।

कमजोर मानसून तो महंगाई का लगेगा तड़का, अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

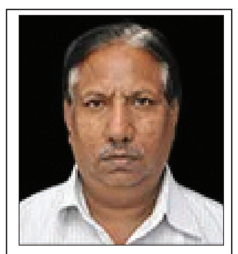

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूवार्नुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूवार्नुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूवार्नुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूवार्नुमानों को माने तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता।

दरअसल देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हांलाकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की साल भर आवश्यकता होती है उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पायें हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। टायलेट और कूलरों में पानी की खपत बहुत अधिक बढ़ गई है। जल बचाओ मात्र स्लोगन ही रह गया है और इसका असर दिखाई नहीं देता। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह किसी से छिपी नहीं हैं। क्योंकि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कितना सफल रहा है वह सामने हैं। बाहरमासी नदी नालें तो अब कल्पना की बात हो गए हैं बल्कि बरसाती नदियां भी बरसात में एकाध बार ही पूरे वेग से बहती दिखती है। ऐसे में गंभीरता को तो समझा ही जा सकता है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि मानसून हमेशा सामान्य ही रहेगा यह सोचना अपने आप में गलत होगा। जिस तरह से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़ पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं। यहां तक कि इस बार तो बसंत की प्रतीक्षा ही करते रह गए हैं। जनवरी फरवरी में सर्दी तो फिर मार्च अप्रेल में गर्मी का असर देखा गया। बसंत कब आया और कब गया पता ही नहीं चला। कहने का अर्थ है कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का परिणाम सामने हैं। प्राकृतिक विपदाएं अधिक होने लगी है। ग्लेसियरों में तेजी से बर्फ पिघल रही है, समयपर बर्फवारी कम होने लगी है। बेमौसम आंधी ओलावृष्टि आम होती जा रही है। खैर यह विषयांतर होगा पर कहीं ना कहीं मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी ही होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थ व्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

दो टूक- टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए। सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है। भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और ह्यइनसाइडर एक्सेसह्ल जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है।

यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है।

तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है।

इस पूरे संकट का एक और खतरनाक पहलू है व्यवस्था के प्रति बढ़ता अविश्वास। जब छात्र यह मानने लगें कि सफलता मेहनत से नहीं बल्कि 'सेटिंग' से मिलती है तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक नैतिकता का भी पतन है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, गिरफ्तारी और बयानबाजी से काम चल जाएगा? स्पष्ट है कि नहीं। सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और एन्क्रिप्टेड मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों को परीक्षा से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे केंद्रों पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे छपाई और परिवहन से जुड़ी कमजोरियां समाप्त होंगी। दूसरा, आउटसोर्सिंग व्यवस्था को सीमित करना होगा। संवेदनशील कार्यों में केवल प्रशिक्षित और जवाबदेह सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होनी चाहिए। तीसरा, पेपर लीक को संगठित आर्थिक अपराध घोषित कर इसके लिए गैर-जमानती कठोर कानून बनाए जाएं। जब तक अपराधियों को कठोर सजा नहीं मिलेगी, तब तक यह धंधा बंद नहीं होगा। चौथा, साइबर निगरानी को मजबूत करना होगा। टेलीग्राम, डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए विशेष एजेंसियां बनाई जानी चाहिए। पांचवां, तकनीक को लागू करने से पहले उसका व्यापक परीक्षण और प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सीबीएसई ओएसएम विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना तैयारी के लागू की गई तकनीक समाधान नहीं बल्कि नई समस्या बन सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा। और जिस राष्ट्र के युवा ही अपनी व्यवस्था पर विश्वास खो दें, उसके भविष्य की नींव कितनी कमजोर हो जाती है, यह समझना मुश्किल नहीं है।

जहाँ रहेगा वही रौशनी लुटायेगा, किसी चिराग का अपना मका नहीं होता

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में प्रशासनिक इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ने वाले, नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी डॉक्टर बृजेश कुमार का अमरौहा में कार्यकाल एक मिसाल बनकर उभरा। लगभग 4 वर्षों तक उन्होंने इस शहर की सेवा की, लेकिन केवल एक अधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि अमरौहा के एक नागरिक बनकर काम किया। जिस तरह से अमरौहा के नागरिकों को अपने शहर की चिंता होती है, ठीक उसी तरह डॉक्टर बृजेश कुमार जी ने अमरौहा की हर समस्या को अपनी समस्या समझा और उसका समाधान समय रहते किया, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उनकी पहल, पारदर्शिता और जनता के प्रति समर्पण ने अमरौहा की तस्वीर बदल दी। उन्होंने सभासदों पत्रकार बंधुओ नगर की जनता पालिका कर्मचारियों अधिकारियों को भी अपार सम्मान दिया, उनके सुझावों और सहभागिता का हमेशा आदर किया। इसी कारण, सभासदो पत्रकार बंधुओ पालिका कर्मचारी शहर के समाजसेवियो और आम जनता भी उनके आजमगढ़ स्थानांतरण से अत्यंत दुःखी हैं, क्योंकि उनके साथ काम करने में उन्हें सच्चा मार्गदर्शन और प्रेरणा मिली थी। अब जब उनका स्थानांतरण आजमगढ़ के लिए हो गया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत गठित जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने सबसे पहले सीएम डैशबोर्ड पर ग्रेडिंग वाले बिंदुओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत आशा कार्यकताओं एवं लाभार्थियों का भुगतान शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। साथ ही रिक्त सब-सेंटरों पर सीएचओ की तैनाती के लिए डिमांड पत्र भेजने के निर्देश दिए। जनपद में कुल कितनी एएनएम हैं और वे कहाँ-कहाँ नियुक्त हैं, इसकी पूरी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। डॉ. नितिन गौड़ ने सभी चिकित्सालयों में डॉक्टरों को नाम का बैज लगा एप्रन पहनकर आने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों एवं उनके तीमारदारों से अच्छा व्यवहार रखा जाए। ड्यूटी को पूर्ण समर्पण के साथ करें, अपनी जिम्मेदारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें और अनुशासन बनाए रखें। नियमित टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। चिकित्सालयों में संस्थागत प्रसवों की संख्या कम पाए जाने पर नाराजगी जताते हुए बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके साथ जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि झोलाछाप डॉक्टरों, अवैध पैथोलॉजी लैबों और क्लीनिकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। आरबीएसके के अंतर्गत टीमों द्वारा विजिट किए गए स्कूलों, छात्रों तथा चिन्हित बीमारियों की जानकारी समय से एमओआईसी या जिला स्तर पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि ऐसे बच्चों का समय पर उचित इलाज सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में एफआरयू की प्रगति, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, ई-संजीवनी ओपीडी, ई-कवच, आभा आईडी, टीबी कार्यक्रम, आशा भुगतान और टीकाकरण की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर, सीएमएस डॉ. एके भंडारी सहित सभी संबंधित अधिकारी एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

व्यापारियों से संवाद कार्यक्रम, समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के एक निजी बैंक्वेट हॉल में व्यापारियों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं तथा उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई।व्यापारियों ने मुख्य रूप से अपंजीकृत व्यापारियों को पंजीकृत कराने, रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को सरल बनाने एवं संशोधन का प्रावधान करने, नोटिस/आदेश की ऑनलाइन के साथ-साथ भौतिक तामीली सुनिश्चित करने, आईटीसी से संबंधित समस्याओं के निवारण और समाधान योजना की सीमा को 2 करोड़ रुपये करने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विभाग की ओर से व्यापारियों को नियमित रूप से रिटर्न भरने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही जीएसटी पोर्टल पर अपना मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी अपडेट कराने का अनुरोध भी किया गया।कार्यक्रम में ड्रग एसोसिएशन अमरोहा के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहीम मंसूरी, अनवर सालिम, विजय चतुवेर्दी, बुनकर एसोसिएशन अमरोहा के अध्यक्ष परवेज आरिफ टीटू सहित कई व्यापारी एवं संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। व्यापारियों ने मांग की कि ऐसे संवाद कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं, ताकि उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो सके।इस अवसर पर उपायुक्त महेश चन्द्र, आर.के. मौर्य, सहायक आयुक्त करिश्मा अग्रवाल, मन्दार सिंह यादव तथा राज्य कर अधिकारी पृथ्वीराज सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डीपीआरओ पारुल सिसोदिया का प्रमोशन, कर्मचारियों ने किया जोरदार स्वागत

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा में शासनादेश के तहत जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) पारुल सिसोदिया का प्रमोशन उप निदेशक पंचायत के उच्च पद पर किया गया है। उनके इस प्रमोशन की खबर मिलते ही जिला पंचायत राज विभाग के कर्मचारियों में खुशी का माहौल छा गया। कर्मचारियों ने डीपीआरओ पारुल सिसोदिया का जोरदार स्वागत किया और उन्हें बधाई दी।सभी कर्मचारियों ने कहा कि पारुल सिसोदिया ने अपने कार्यकाल में जिले में उत्कृष्ट कार्य किए। उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने, ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों को गति देने और विभागीय प्रक्रियाओं को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खासतौर पर जनपद में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने, पंचायतों के अंतर्गत स्वच्छता अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने और विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में उनका योगदान सराहनीय रहा।कर्मचारियों ने बताया कि पारुल सिसोदिया सौम्य स्वभाव की अधिकारी हैं तथा हमेशा कर्मचारियों के साथ मिलकर काम करती रहीं। उनके मार्गदर्शन में विभाग ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रमोशन पर बधाई देते हुए कर्मचारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेन्द्र सिंह का लखनऊ तबादला

अमरोहा (सब का सपना):- शासन के निर्देश पर जनपद अमरोहा के जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेन्द्र सिंह का लखनऊ तबादला हो गया है। उनके स्थान पर अभिलाष कुमार दीक्षित ने 03 जुलाई 2023 को जिला ग्रामोद्योग अधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया। गजेन्द्र सिंह ने अपने कार्यकाल में जिले में उत्कृष्ट कार्य किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न ग्रामोद्योग योजनाओं को धरातल पर उतारने के साथ-साथ गरीबों, ग्रामीणों एवं युवाओं तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेहनत, लगन और निष्ठा के साथ उन्होंने कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित किया, स्वरोजगार योजनाओं को मजबूत किया तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का सराहनीय प्रयास किया। उनके कार्यकाल में जिले के अनेक युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने, हस्तशिल्प कलाकारों को बाजार उपलब्ध कराने और ग्रामोद्योग इकाइयों की स्थापना में उल्लेखनीय प्रगति हुई।

जोया पुल के नीचे चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, 50 ई-रिक्शा पर कार्रवाई, भारी जुमार्ना वसूला

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- जोया पुल के नीचे दिल्ली और मुरादाबाद साइड जाने वाली सर्विस लेन पर यातायात पुलिस और नगर पंचायत की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान अवैध रूप से खड़े 50 ई-रिक्शा पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई कर भारी जुमार्ना लगाया गया। अभियान का नेतृत्व यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह और नगर पंचायत जोया के अधिशासी अधिकारी विपिन कुमार ने किया। नगर पंचायत कर्मचारियों के साथ मिलकर सर्विस लेन से अतिक्रमण हटवाया गया। नगर पंचायत ने भी अतिक्रमण करने वालों पर तत्काल जुमार्ना लगाया और सामान जब्त किया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस के कर्मचारी-अधिकारी मौजूद रहे। जोया रोड पर दिल्ली और मुरादाबाद जाने वाली सर्विस लेन को जल निगम ने पाइपलाइन बिछाने के लिए खोद दिया है। सड़क खराब होने से ट्रैफिक धीमा चलता है और कई बार जाम की स्थिति बन जाती है। यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि जाम से निपटने के लिए पुल के ऊपर-नीचे यातायात पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। जल निगम द्वारा खोदी गई सड़क को शीघ्र दुरुस्त कराने के लिए नगर पालिका और यातायात प्रभारी की ओर से पत्राचार किया गया है।

मानव चिकित्सकों ने बढ़ाया गौवंश की मदद का हाथ

अमरोहा (सब का सपना):- विश्व दुग्ध दिवस के उपलक्ष्य में जनपद अमरोहा सहित पूरे उत्तर प्रदेश में 1 जून से 7 जून 2026 तक विशेष दुग्ध सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान समस्त गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित गौवंश को कृमिनाशक दवाएं पिलाई जा रही हैं तथा बाह्य परजीवी नाशक स्प्रे किया जा रहा है। गौशालाओं की सफाई पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में नेत्र रोग विशेषज्ञ तथा शार्प आई विजन हॉस्पिटल के संचालक डॉ० पंकज ने अस्थायी गौ आश्रय स्थल खैया माफी में 100 कुन्तल भूसा दान किया। उन्होंने अंजीर, जामुन और अर्जुन के पेड़ भी लगाए। डॉ० पंकज ने गौवंश को गर्मी से बचाने के लिए शीघ्र 20 पंखे दान करने की घोषणा भी की। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ० निलय कुमार, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ० विजेंद्र सिंह, पशुधन प्रसार अधिकारी लोकेंद्र सिंह और ग्राम प्रधान इरफान सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। इससे पहले प्रतिष्ठित पोल्ट्री फार्मर सरजीत ने वृहद गौ संरक्षण केंद्र मऊमयचक में 100 कुन्तल भूसा दान किया। खंड विकास अधिकारी नीरज गर्ग ने गौशाला परिसर में चारदीवारी निर्माण के साथ सघन वृक्षारोपण कर गौवंश के लिए ठंडी छाया उपलब्ध कराने की व्यवस्था की। एक माह पहले शुरू हुए भूसा दान अभियान में जनपद के चिकित्सकों, गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों और किसानों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया। पशु पालन विभाग के अधिकारी इन प्रयासों से उत्साहित हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित गौवंश को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और प्रबंधन मजबूत होगा।

कुछ लोग पद से नहीं, अपने कर्मों से अपनी पहचान बनाते हैं: उप कृषि निदेशक डॉ. रामप्रवेश

अमरोहा (सब का सपना):- कुछ लोग पद से नहीं, अपने कर्मों से अपनी पहचान बनाते हैं और अपने कार्यों की ऐसी छाप छोड़ जाते हैं जो वर्षों तक याद रखी जाती है।ह्व उप कृषि निदेशक डॉ. रामप्रवेश ठीक ऐसे ही अधिकारी हैं। भले ही उनका स्थानांतरण भदोही जनपद हो गया हो, लेकिन अमरोहा की धरती और यहां के किसानों के दिलों में वे हमेशा अमर रहेंगे। उनके कार्यकाल का समापन अमरोहा जनपद के लिए एक भावुक क्षण बन गया है।डॉ. रामप्रवेश ने अमरोहा में कार्यरत रहते हुए कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं को लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया। बीज वितरण, सिंचाई सुविधा, फसल बीमा, प्राकृतिक खेती और कृषि यंत्रीकरण जैसी योजनाओं को धरातल पर उतारने में उनकी मेहनत सराहनीय रही। किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर त्वरित समाधान प्रदान करने की उनकी कार्यशैली को सभी ने सराहा।विशेष रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े गंगा तिगरी मेले को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में डॉ. रामप्रवेश का योगदान अविस्मरणीय रहा। उन्होंने मेले में कृषि विभाग के स्टॉल लगाकर किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। आधुनिक खेती, जैविक खाद, उन्नत बीज और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी कराए। उनके प्रयासों से तिगरी मेला केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सांस्कृतिक, कृषि और व्यापारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा। मेले की लोकप्रियता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई और हजारों किसान इससे लाभान्वित हुए। किसान, अधिकारी और स्थानीय जनता डॉ. रामप्रवेश को एक संवेदनशील, कर्मठ और किसानहितैषी अधिकारी के रूप में याद रखेगी। उनके नए पद पर और भी बेहतर कार्य करने की कामना की जा रही है।

मंडी धनौरा में 'चारा विकास योजना' के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की मंडी धनौरा में 'चारा विकास योजना' के अंतर्गत पशुपालकों के प्रशिक्षण हेतु एकदिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कराया गया। जिसमें पशु पालकों को आधुनिक तकनीकी के तहत प्रशिक्षण दिया गया। बता दें कि धनौरा में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय पशुपालकों को उन्नत चारा उत्पाद की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराना और साल के 12 महीने हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। शिविर के दौरान विशेषज्ञों ने किसानों को पारंपरिक खेती से हटकर बहुवर्षीय चार फसलें उगाने के गुण सिखाए ,वहीं विभाग में किसानों को उन्नत चारा उगाने के लिए हर संभव तकनीकी सहायता देने का भरोसा भी दिलाया। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में हरा चारा ही मुख्य आधार' शिविर में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे चारा विकास के नोडल अधिकारी और आजमपुर के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. भागेश सिंह ने कृषि विभाग के सहयोग से पशुपालकों को विशेष प्रशिक्षण दिया। डॉ. सिंह ने स्पष्ट किया कि पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और दुग्ध उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में हरे चारे की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि सही फसल चक्र अपनाकर और बहुवर्षीय चारे की आधुनिक खेती करके साल भर चारे की कमी को हमेशा के लिए दूर किया जा सकता है।'तीनों मौसमों के अनुकूल चारा फसलों की मिली विस्तृत जानकारी' प्रशिक्षण शिविर के दौरान किसानों को मौसम के हिसाब से सबसे उपयुक्त चारा फसलों के बारे में विस्तार से समझाया गया।बहुवर्षीय चारा फसलें संकर बाजरा, नेपियर घास और गिनी घास की खेती पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे एक बार बुवाई के बाद लंबे समय तक हरा चारा मिलता रहता है।'शिविर में मौजूद रहे कृषि और पशुपालन विभाग के आला अधिकारी' इस महत्वपूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण शिविर के अवसर पर धनौरा की डिप्टी सीवीओ डॉ. दीपाक्षी, बछरायूं की पशु चिकित्साधिकारी डॉ. शिवानी सिंह, और कृषि विभाग से एडीओ चंद्रशेखर व जयवीर सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इसके अलावा पशुपालन विभाग के तकनीकी स्टाफ से नेपाल सिंह, महेंद्र, सुरेंद्र, नकुल और अनिल (पैरावेट) ने भी किसानों को तकनीकी जानकारियां दीं। शिविर में क्षेत्र के बड़ी संख्या में प्रगतिशील पशुपालकों और किसानों ने हिस्सा लिया।

पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, कई निरीक्षक और उपनिरीक्षकों के तबादले

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने तथा प्रशासनिक समायोजन के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार ने बुधवार को पुलिस विभाग में व्यापक स्तर पर निरीक्षकों एवं उपनिरीक्षकों के स्थानांतरण और नई तैनातियों के आदेश जारी किए हैं।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई

जारी आदेश के अनुसार प्रभारी आरटीसी रहे निरीक्षक संत कुमार को प्रभारी निरीक्षक थाना चन्दौसी बनाया गया है, जबकि प्रभारी साइबर सेल निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह को प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक पवनवीर सिंह राणा को प्रभारी निरीक्षक एएचटीयू एवं मानवाधिकार प्रकोष्ठ, विशेष जांच प्रकोष्ठ, व्यावसायिक सुरक्षा प्रकोष्ठ, वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ तथा इन्वेस्टमेंट सेल का प्रभार दिया गया है। वहीं निरीक्षक नरेश पाल, जो अब तक थाना संभल में निरीक्षक अपराध के पद पर तैनात थे, उन्हें प्रभारी निरीक्षक थाना धनारी नियुक्त किया गया है। उपनिरीक्षक सचिन कुमार को थाना बनियाठेर से स्थानांतरित कर थाना कैलादेवी का थानाध्यक्ष बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक के वाचक रहे उपनिरीक्षक संजय कुमार को थाना नखासा का थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा प्रभारी एसओजी बोबिन्द्र कुमार को थाना बनियाठेर का थानाध्यक्ष बनाया गया है। थाना रायसत्ती के थानाध्यक्ष निशांत कुमार राठी को थाना बबराला तथा थाना बबराला के थानाध्यक्ष सौरभ त्यागी को थाना रायसत्ती का थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दूसरी ओर थाना नखासा के प्रभारी निरीक्षक उमेश सिंह को पुलिस अधीक्षक का वाचक एवं प्रभारी रिट सेल बनाया गया है। थाना कैलादेवी के प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम शर्मा को पुलिस लाइन भेजा गया है। थाना धनारी के थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार प्रधान को प्रभारी आरटीसी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं एसओजी में तैनात उपनिरीक्षक मनोज कुमार वर्मा को प्रभारी एसओजी नियुक्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार द्वारा किए गए इस प्रशासनिक फेरबदल को जनपद की कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई तैनातियों के बाद संबंधित अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जनपद में पेट्रोल पंपों की जांच, 6 केंद्रों पर मिलीं खामियां

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन में जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग द्वारा क्षेत्रीय खाद्य अधिकारियों एवं पूर्ति निरीक्षकों के माध्यम से जनपद के पेट्रोल पंपों पर आम जनता को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जांच कराई गई। निरीक्षण के दौरान मुफ्त हवा एवं पानी, पुरुष और महिला शौचालयों की व्यवस्था, दिव्यांगजन रैंप, वॉश बेसिन, नो हेलमेट-नो फ्यूल बैनर तथा पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता सहित विभिन्न मानकों का परीक्षण किया गया। जांच के दौरान कुल 22 पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया गया,

जिनमें से 6 पेट्रोल पंपों पर विभिन्न प्रकार की कमियां पाई गईं। मैसर्स ललतेश फिलिंग स्टेशन, बबराला-चन्दौसी रोड पर दिव्यांगजन रैंप नहीं मिला। मैसर्स गुन्नौर फिलिंग स्टेशन, गुन्नौर पर मुफ्त हवा एवं पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं थी, साथ ही शौचालयों में दिव्यांगजन रैंप और वॉश बेसिन भी नहीं पाए गए। मैसर्स हाजी हशमत हुसैन बदर हुसैन तथा मैसर्स आमिर फिलिंग स्टेशन, नगर संभल में शौचालयों पर दिव्यांगजन रैंप का अभाव मिला। वहीं मैसर्स डी.एन. फिलिंग स्टेशन, बहजोई तथा मैसर्स बालाजी फिलिंग स्टेशन, चन्दौसी पर साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग ने बताया कि जिन पेट्रोल पंपों पर कमियां पाई गई हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के लिए संबंधित बिक्री अधिकारियों को पत्र प्रेषित किए जा रहे हैं। प्रशासन ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों को जनसुविधाओं के मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए हैं।

परिवार परामर्श केंद्र में 4 बिखरते परिवारों का हुआ पुनर्मिलन

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी चंदौसी दीपक तिवारी के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चंदौसी में आयोजित की गई। बैठक का संचालन परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थाना प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में किया गया। इस दौरान पति-पत्नी के मध्य चल रहे पारिवारिक विवादों को

आपसी सहमति और सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। काउंसलरों ने दोनों पक्षों की बात सुनकर उन्हें समझाया और रिश्तों को बचाने के लिए सकारात्मक पहल की। बैठक में कुल 24 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई, जिनमें से 7 मामलों का निस्तारण किया गया। वहीं 4 परिवारों को समझाकर दोबारा साथ रहने के लिए राजी किया गया, जिससे उनके घर फिर से बस सके। इसके अलावा एक मामले में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई, जबकि एक पत्रावली आवेदक द्वारा बल न देने एवं अन्य कारणों से बंद कर दी गई। परिवार परामर्श केंद्र की इस पहल को पारिवारिक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और टूटते रिश्तों को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

करंट लगने से 29 वर्षीय फर्नीचर कारीगर की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र बहजोई के टंकी मोहल्ला में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में 29 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार टंकी मोहल्ला निवासी हसनैन पुत्र स्वर्गीय मेहंदी हसन बुधवार को अपने घर में नहाने के बाद सबमर्सिबल पंप बंद करने गए थे। इसी दौरान वहां मौजूद बिजली के कटे हुए तार की चपेट में आ जाने से उन्हें जोरदार करंट लग गया। करंट का झटका इतना तेज था कि वह दूर जाकर गिर पड़े और मौके पर ही बेहोश हो गए। परिजन तत्काल उन्हें उपचार के लिए बहजोई

मृतक हसनैन का फाइल फोटो

के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उनकी हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन हसनैन को अचलपुर स्थित ओम मल्टी स्पेशलिटी ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हसनैन पेशे से कुशल कारपेंटर एवं फर्नीचर कारीगर थे और अपने परिवार के भरण-पोषण की मुख्य जिम्मेदारी निभा रहे थे। उनकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया जाता है कि हसनैन का विवाह करीब पांच वर्ष पूर्व शबनम के साथ हुआ था। उनके परिवार में पत्नी शबनम, तीन वर्षीय बेटी रिदा और छह माह का बेटा हनजला हैं। हादसे के बाद दोनों मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। हसनैन के पिता मेहंदी हसन का भी करीब छह वर्ष पहले निधन हो चुका है।

तीन भाइयों में हसनैन बीच के थे। उनके बड़े भाई चमन और छोटे भाई साकिम अली हैं। घटना के बाद पत्नी शबनम, भाइयों और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मोहल्ले के लोगों ने भी इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। हसनैन की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।

पिता के निधन पर सपा जिलाध्यक्ष के आवास पर पहुंचे सांसद आदित्य यादव

संभल (सब का सपना):- मंगलवार को बदायूं सांसद आदित्य यादव समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी के ग्राम बराई स्थित आवास पर पहुंचे और उनके पिता मरहूम मोहम्मद अकबर अंसारी के इंतकाल पर खिराज-ए-अकीदत पेश की। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। सांसद आदित्य यादव ने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरी समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी और उनके परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि पार्टी का हर कार्यकर्ता उनके दुख में बराबर का सहभागी है। उन्होंने मरहूम मोहम्मद अकबर

अंसारी को याद करते हुए कहा कि वह लगातार 17 वर्षों तक ग्राम प्रधान रहे और अपने कार्यकाल में गांव के विकास, सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करने का कार्य किया। उन्होंने गांव के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए, जिन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। आदित्य यादव ने ग्राम प्रधान एवं बड़े भाई कौसर अली अंसारी सहित परिवार के अन्य सदस्यों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि मरहूम अकबर अंसारी का निधन समाज और क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। इस कठिन समय में पूरी समाजवादी पार्टी परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। इस अवसर पर गुन्नौर विधायक रामखिलाड़ी यादव, सहसवान विधायक बृजेश यादव, जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार, विधायक प्रतिनिधि सोहेल इकबाल, अखिलेश यादव, उमेश चंद्र दिवाकर, शोभित कुमार, कौसर अली अंसारी, सतीश प्रेमी, आसिफ इकबाल, बिट्टू कश्यप, अमित यादव, लियाकत खान, तस्लीम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य सुभाष चंद्र, कपिल देव, रियासत हुसैन, बिलाल, मकसूद खान, हाजी इरशाद सलमानी, अकबर मलिक सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं नेता मौजूद रहे।

विद्यालय की भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप, प्रधानाचार्य ने डीएम से की कार्रवाई की मांग

बहजोई/संभल (सब का सपना):- शंकर जूनियर हाईस्कूल, मछखेड़ा की भूमि पर अवैध कब्जा और निर्माण का मामला सामने आया है। विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाध्यापक विनोद कुमार ने जिलाधिकारी संभल को प्रार्थना पत्र देकर विद्यालय की निजी भूमि से अतिक्रमण हटवाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि शंकर जूनियर हाईस्कूल मछखेड़ा एक सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय है, जिसके नाम लगभग 30 बीघा भूमि दर्ज है। आरोप है कि विद्यालय की गाटा संख्या 342 एवं 343 पर गांव के कुछ दबंग लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य कराया गया है। प्रधानाचार्य के अनुसार इस संबंध

में उन्होंने 28 अप्रैल को जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के क्रम में 27 मई को लेखपाल द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण रिपोर्ट में गाटा संख्या 342 पर बारातघर और सामुदायिक शौचालय तथा गाटा संख्या 343 पर आवासीय मकान बने होने की पुष्टि की गई है। विद्यालय प्रशासन का कहना है कि गाटा संख्या 342 बच्चों के खेल मैदान के रूप में उपयोग की जाती है। प्रधानाचार्य ने आरोप लगाया कि विद्यालय की भूमि से संबंधित दस्तावेज जनसुनवाई पोर्टल पर अपलोड किए जाने के बावजूद जांच आख्या में यह उल्लेख किया गया कि भूमि संबंधी अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए गए। उन्होंने लेखपाल पर कब्जाधारकों से मिलीभगत कर मामले का गलत निस्तारण करने का भी आरोप लगाया है। प्रार्थना पत्र में शासनादेश संख्या 402/एक-2-2017-1 (सामान्य/2017) 1 मई 2017 का हवाला देते हुए कहा गया है कि शासकीय एवं निजी भूमि से अवैध कब्जे हटाए जाने के स्पष्ट निर्देश हैं। ऐसे में विद्यालय प्रशासन ने जिलाधिकारी से गाटा संख्या 342 एवं 343 पर किए गए कथित अवैध कब्जे और अतिक्रमण को हटवाने की मांग की है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

वाटरशेड एवं नदी पुनरुद्धार कार्यों की समीक्षा, मानसून से पहले संरचनाओं के निरीक्षण के निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में भूमि संरक्षण विभाग द्वारा संचालित वाटरशेड विकास घटक, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में संचालित जल संरक्षण, सिंचाई एवं नदी पुनरुद्धार कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। उप कृषि निदेशक एवं प्रभारी भूमि संरक्षण अधिकारी ने बताया कि योजना के अंतर्गत जनपद की गुन्नौर एवं पवांसा इकाइयों में तालाब निर्माण एवं पुनर्जीवन, चेक डैम निर्माण, कंटूर बंडिंग, पेरिफेरल बंडिंग तथा मृदा एवं जल संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्य कराए जा रहे हैं। साथ ही किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीज, उर्वरक एवं सूक्ष्म कीटनाशक भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने ग्रामीण स्तर पर वाटरशेड समितियों के गठन एवं उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना की प्रगति, उद्देश्यों तथा अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए मानसून के दौरान इन संरचनाओं की उपयोगिता और तालाबों में जल उपलब्धता की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत निर्मित तालाबों, चेक डैमों एवं अन्य संरचनाओं का फोटोग्राफिक अभिलेखीकरण कराया जाए तथा कार्य पूर्ण होने के बाद संबंधित ग्रामों में समितियों का गठन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही मानसून शुरू होने से पहले सभी चेक डैमों और अन्य संरचनाओं का निरीक्षण, परीक्षण एवं सत्यापन कराने के निर्देश दिए, ताकि उनका अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कृषि क्षेत्र में नवाचार करने वाले किसानों को चिन्हित करने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। मोती की खेती की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसके अलावा जनपद की वर्धमान नदी एवं महिष्मती नदी के पुनरुद्धार कार्यों की समीक्षा की गई। अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग राजीव कुमार ने नदियों के पुनरुद्धार से संबंधित प्रस्तावित एवं संचालित कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने गंगा तटवर्ती गांवों में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को उनकी जोत के आधार पर वर्गीकृत कर शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, कृषि उपनिदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग राजीव कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सपा की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा भेजे गए प्रभारियों की मौजूदगी में चंदौसी विधानसभा क्षेत्र की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद फहद शाह, राष्ट्रीय सचिव मुनकाद अली पासा, राष्ट्रीय सचिव तरुण प्रधान तथा मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद जावेद अली खान का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने किया। बैठक में चंदौसी विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर, जोन, बीएलए, बूथ अध्यक्षों एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए मोहम्मद फहद शाह ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बीएलए, सेक्टर एवं जोन प्रभारियों के साथ मिलकर कार्य करें। साथ ही मतदाता सूची का सत्यापन कराने, नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाएं। बैठक के दौरान सेक्टर एवं जोन प्रभारियों से उनके क्षेत्रों की रिपोर्ट ली गई। बूथ अध्यक्षों ने अपने-अपने बूथों की समस्याओं, कमजोरियों और सुझावों को भी साझा किया। राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने कहा कि कार्यकताओं को समाजवादी विचारधारा, पार्टी की नीतियों और जनहितकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाना चाहिए। वहीं जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है, इसलिए कार्यकर्ता घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने कहा कि सभी बूथ अध्यक्ष अपने बूथ को मजबूत बनाने का संकल्प लें और प्रत्येक मतदाता से सीधा संवाद स्थापित करें। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक 15 दिन में सेक्टर स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि संगठनात्मक कार्यों की प्रगति का आकलन किया जा सके।

बैठक में सभी कार्यकताओं ने आगामी चुनाव में पार्टी को मजबूत बनाने और जीत दिलाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी, विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव, युवजन सभा जिलाध्यक्ष बिट्टू कश्यप, उमेश दिवाकर, बलवंत सिंह, सुभाष पाल, आसिफ इकबाल, शोभित कुमार काका, सद्दाम कुरैशी, हबीब अहमद, कमल शर्मा, ताहिर उल्ला खान, विक्टर मलिक, अशोक राणा, कपिल शर्मा, अमरीश यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन सेवा केंद्र में घुसकर मारपीट व तोड़फोड़, वीडियो वायरल

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना नहटौर क्षेत्र के हरगनपुर बाजार स्थित एक जन सेवा केंद्र में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, जमीनी दस्तावेज निकलवाने को लेकर जन सेवा केंद्र पर कुछ लोगों और संचालक के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर कुछ दबंगों ने केंद्र में घुसकर संचालक सलमान के साथ मारपीट की। इस दौरान केंद्र में रखे प्रिंटर सहित अन्य उपकरणों और सामान को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना के समय मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन तब तक केंद्र में काफी नुकसान हो चुका था। घटना का वीडियो किसी ने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़ित सलमान ने मामले की शिकायत पुलिस से की। तहरीर के आधार पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्थानीय लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत पर परिजनों ने लगाया दहेज उत्पीड़न और जहर देकर हत्या का आरोप

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना क्षेत्र के ग्राम धीमारेड़ी निवासी एक युवक ने अपनी बहन की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पति समेत ससुराल पक्ष के कई लोगों पर दहेज उत्पीड़न और जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग की है। ग्राम धीमारेड़ी निवासी कार्तिक पुत्र मुन्नू सिंह द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती पत्र में बताया गया है कि उसकी बहन प्रियंका की शादी वर्ष 2018 में थाना नहटौर क्षेत्र के ग्राम शमशाबाद निवासी दीपांशु पुत्र बिजेंद्र सिंह के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति, सास, ससुर तथा अन्य ससुरालीजन दहेज की मांग को लेकर प्रियंका को प्रताड़ित करते थे। शिकायत के अनुसार 23 अप्रैल 2026 को प्रियंका की मां मिथलेश देवी ने अपनी पुत्री को फोन किया, लेकिन फोन उसके पति दीपांशु ने उठाया। इस दौरान प्रियंका के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनाई देने का दावा किया गया है। आरोप है कि पति ने प्रियंका से बात नहीं कराई और उसकी तबीयत खराब होने की बात कहकर फोन काट दिया। परिजनों का कहना है कि बाद में पता चला कि प्रियंका को बिजनौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उसकी हालत गंभीर होने पर मेरठ, नोएडा और अंततः ऋषिकेश स्थित एम्स अस्पताल रेफर किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार उपचार के दौरान प्रियंका बोलने की स्थिति में नहीं थी, इसलिए उसने इशारों से कागज-कलम मांगकर कुछ बातें लिखी थीं। परिजनों के मुताबिक 11 मई 2026 को एम्स ऋषिकेश में प्रियंका की मृत्यु हो गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि चिकित्सकों से उन्हें जानकारी मिली कि मौत का कारण जहर हो सकता है, जबकि ससुराल पक्ष ने यह तथ्य उनसे छिपाए रखा।

मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर पति, सास, ससुर एवं अन्य नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

विश्व साइकिल दिवस पर निकली साइकिल मैराथन, युवाओं को दिया स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर बहजोई एथलेटिक्स क्लब के मुख्य संयोजन एवं इंटरमीडिएट कॉलेज बहजोई के सह-आयोजन में बुधवार को भव्य साइकिल मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मिनी स्टेडियम काली माता मंदिर बहजोई से एशिया रिकॉर्डधारी बेयरफुट रनर सिकंदर लांबा ने हरी झंडी दिखाकर किया। साइकिल मैराथन मिनी स्टेडियम से शुरू होकर राष्ट्रीय राजमार्ग, संभल बाईपास, बहटा चौराहा, संभल रोड और रेलवे फाटक होते हुए इंटरमीडिएट कॉलेज बहजोई पहुंचकर संपन्न हुई। आयोजन से पहले प्रतिभागियों को बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल की प्रशिक्षिका द्वारा जुम्बा एवं शारीरिक अभ्यास कराया गया। वहीं एथलेटिक्स क्लब के संयोजक संभव जैन ने सुरक्षित एवं अनुशासित साइकिलिंग के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समापन समारोह इंटरमीडिएट कॉलेज बहजोई में आयोजित किया गया, जहां अतिथियों का स्वागत एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। बहजोई एथलेटिक्स क्लब के संयोजक जयप्रकाश गुप्ता ने कहा कि साइकिलिंग स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। मुख्य अतिथि सिकंदर लांबा ने युवाओं को नियमित व्यायाम, खेल गतिविधियों और साइकिलिंग को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंटरमीडिएट कॉलेज बहजोई के प्रबंधक विकास वार्ष्णेय ने की। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियां युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर आयोजन में विशेष सहयोग देने वाले बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल, इंटरमीडिएट कॉलेज बहजोई, सिल्वर स्टोन पब्लिक स्कूल, मीना पब्लिक स्कूल, बहजोई महाविद्यालय तथा बाबा रतन गिरी इंटर कॉलेज कैला देवी को सम्मानित किया गया। वहीं उद्योगपति बसंत शंकर एवं राहुल शंकर द्वारा आयोजित लकी ड्रा में बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल के छात्र अक्षराज को साइकिल पुरस्कार स्वरूप भेंट की गई। कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष राजेश शंकर राजू, वीरेंद्र कुमार डी.आर., लवमोहन वार्ष्णेय एडवोकेट, अवनीश कुमार सर्राफ, यशवर्धन वार्ष्णेय, उत्कर्ष वार्ष्णेय, अनुराग वार्ष्णेय, आकाश गुप्ता, राजीव गुप्ता, राजू सिंह यादव, शालिनी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संभव जैन ने किया तथा अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

राष्ट्रीय मुनीरी कमेटी का भव्य ईद मिलन समारोह संपन्न

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- स्थानीय क्षेत्र में राष्ट्रीय मुनीरी कमेटी की जानिब से एक भव्य 'मुनीरी ईद मिलन समारोह' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें मुनीरी समाज के उत्थान, शैक्षणिक प्रगति और राजनीतिक चेतना को लेकर कई महत्वपूर्ण विचार साझा किए गए। इस गौरवमयी कार्यक्रम में देश के दूर-दराज के क्षेत्रों जैसे राजस्थान, लखनऊ, एटा, कासगंज और आगरा आदि से समाज के प्रबुद्ध नागरिकों और जिम्मेदार लोगों ने भारी संख्या में शिरकत की। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि और राष्ट्रीय मुनीरी कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब मेहरबान अली मुनीरी जी ने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि वे कमेटी के बैनर तले एकजुट होकर समाज को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए पूरी शिद्दत के साथ आगे आएं। वहीं, संस्था के डायरेक्टर जनाब हाजी कलवा मुनीरी साहब ने समाज में शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर देते हुए एक बेहद प्रभावशाली और जमीनी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमें समाज में शिक्षा की अलख जगानी होगी, चाहे हमें एक रोटी कम खानी पड़े लेकिन अपने बच्चों को जरूर पढ़ाना होगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस नारे को सिर्फ सुनने तक सीमित न रखकर हर परिवार को इसे असल जिंदगी में जमीनी स्तर पर उतारना होगा। लखनऊ से विशेष रूप से तशरीफ लाए संस्था के उप-सचिव जनाब आलमगीर साहब ने समाज की राजनीतिक चेतना और अधिकारों की बात करते हुए कहा कि लोकतंत्र में अपनी पहचान को मजबूत करने के लिए मुनीरी समाज को राजनीति में अपनी सक्रिय हिस्सेदारी सुनिश्चित करनी होगी। इसी कड़ी में राजस्थान से आए जनाब शरीफ चौहान जी ने सामाजिक अनुशासन की अहमियत बताते हुए समाज के लोगों से कमेटी के नीतिगत फैसलों और बातों को मानने और उन पर अमल करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान समाज में उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य करने के लिए जनाब नईम मुनीरी साहब को मंच पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। पूरे कार्यक्रम का कुशल और शानदार मंच संचालन जनाब सरफराज मुनीरी साहब द्वारा बखूबी अंजाम दिया गया। कार्यक्रम के समापन पर दूर-दराज से आए सभी आगंतुकों और समाज के लोगों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हुए कमेटी के सेक्रेटरी जनाब मोहम्मद सानू ने बेहद मार्मिक अंदाज में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि समाज केवल लोगों के इकट्ठा होने का नाम नहीं है, बल्कि यह आपसी एकजुटता और भाईचारे का प्रतीक है। यदि मुनीरी समाज को तरक्की की ऊंचाइयों को छूना है, तो हमें आपसी मतभेद भुलाकर एक मजबूत पेड़ के साये की तरह एकजुट होना होगा, क्योंकि सामूहिक प्रयास से ही समाज की वास्तविक तरक्की मुमकिन है। इस ऐतिहासिक ईद मिलन समारोह के मौके पर मुख्य रूप से सिराज मुनीरी, शाहआलम मुनीरी, शरीफ मुनीरी, सलमान मुनीरी, रईस मुनीरी, नजर मोहम्मद मुनीरी, असगर मुनीरी,साबिर मुनीरी गंगापुर सिटी, खालिद हुसैन, दिलशाद मुनीरी समेत समाज के सैकड़ों जिम्मेदार और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

15 माह के मासूम के अपहरण का आरोप, मां ने सीओ नगीना से लगाई न्याय की गुहार

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- 15 माह के मासूम बच्चे के कथित अपहरण का मामला सामने आने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। हरियाणा के पानीपत निवासी एक महिला ने पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) नगीना को प्रार्थना पत्र देकर अपने बच्चे की बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महिला ने थाना नगीना देहात पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। पीड़िता तमन्ना पत्नी हामिद हुसैन, निवासी काबुल बाग कॉलोनी, थाना किला पानीपत (हरियाणा) ने अपने शिकायती पत्र में बताया कि वह 17 मई 2026 को अपने मायके पक्ष की एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए ग्राम कोटखादर, थाना नगीना देहात आई हुई थी। आरोप है कि उसी रात करीब 9:30 बजे उसका 15 माह का पुत्र आदियान घर के बाहर मौजूद था, तभी दो अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे और बच्चे को उठाकर ले जाने लगे। महिला का कहना है कि मौके पर मौजूद लोगों ने विरोध किया तो आरोपियों ने बच्चे की गर्दन पर छुरी रख दी और जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। घटना के बाद तत्काल डायल-112 पर सूचना दी गई तथा पुलिस को तहरीर भी दी गई। पीड़िता का आरोप है कि उसने अपहरण की तहरीर दी थी, लेकिन थाना नगीना देहात पुलिस ने उसकी शिकायत को बदलकर अपनी ओर से मुकदमा दर्ज किया। महिला का कहना है कि उसे बाद में हस्ताक्षर कराने के लिए बुलाया गया और उसकी मूल शिकायत के अनुरूप कार्रवाई नहीं की गई।

महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि अब आरोपी पक्ष उस पर मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहा है। उसके अनुसार, आरोपियों द्वारा तीन लाख रुपये तथा अन्य मामलों में समझौते का प्रस्ताव दिया जा रहा है। साथ ही धमकी दी जा रही है कि यदि मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो बच्चा वापस नहीं मिलेगा।

पीड़िता ने सीओ नगीना को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि घटना को लगभग एक माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक उसके मासूम बेटे का कोई सुराग नहीं लग सका है। उसने भावुक अपील करते हुए कहा, "मेरा बच्चा जिंदा है या नहीं, मुझे कुछ नहीं पता। साहब, मेरा बच्चा मुझे वापस दिला दीजिए।"

मामला थाना नगीना देहात में दर्ज मुकदमा संख्या 88/2026 से जुड़ा बताया जा रहा है। पीड़िता ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर बच्चे की शीघ्र बरामदगी तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। नोटः मामले में लगाए गए आरोप पीड़िता के प्रार्थना पत्र पर आधारित हैं। आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस का पक्ष सामने आने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाना चाहिए।

गैंगस्टर अतीक अहमद की 168 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क, ओमर इंटरनेशनल स्लाटर हाउस सील

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार की अपराध और माफियाओं के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत बिजनौर जनपद में बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने स्योहारा क्षेत्र के सहसपुर स्थित ओमर इंटरनेशनल स्लाटर हाउस को सील करते हुए लगभग 168 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति कुर्क कर ली है। यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई है। जानकारी के अनुसार आरोपी अतीक अहमद पुत्र मोहम्मद उमर, जो मूल रूप से कस्बा सहसपुर थाना स्योहारा जनपद बिजनौर का निवासी है तथा वर्तमान में नई दिल्ली के निजामुद्दीन वेस्ट क्षेत्र में रह रहा है, के विरुद्ध जनपद जालौन के थाना ऐट में उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 की धारा 2/3 के अंतर्गत मुकदमा संख्या 16/24 पंजीकृत है। जिलाधिकारी जालौन द्वारा वाद संख्या 902/2026 में दिनांक 30 मई 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में बिजनौर प्रशासन ने यह कार्रवाई की। प्रशासनिक अधिकारियों ने सहसपुर स्थित ओमर इंटरनेशनल स्लाटर हाउस पहुंचकर संपत्ति को कुर्क करते हुए मुख्य द्वार पर सरकारी नोटिस चस्पा किया और परिसर को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान उप जिलाधिकारी स्मृति मिश्रा, क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे, राजस्व विभाग की टीम तथा भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। प्रशासनिक अमले की मौजूदगी के चलते क्षेत्र में काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा। अधिकारियों के अनुसार कुर्क की गई संपत्ति को अपराध से अर्जित धन से निर्मित एवं विकसित किए जाने की आशंका के आधार पर गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत जब्त किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा अपराधियों की अवैध संपत्तियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वास्थ्य विभाग ने अवैध रूप से संचालित प्रिंस ऑप्टीकल्स किया सीज

असमोली/संभल (सब का सपना):- जनपद के असमोली थाना क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध रूप से संचालित किए जा रहे प्रिंस ऑप्टीकल्स पर बड़ी कार्रवाई करते हुए क्लीनिक को सीज कर दिया। साथ ही संचालक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि ग्राम दबोई खुर्द निवासी अलीजान पुत्र सब्बीर द्वारा की गई शिकायत के आधार पर टीम ने प्रिंस ऑप्टीकल्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मनौटा चौकी प्रभारी भी मौके पर मौजूद रहे। जांच के समय क्लीनिक संचालक बिजेंद्र कुमार पुत्र वालाराम निवासी असमोली मौके पर मिले। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उनसे क्लीनिक संचालन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा, लेकिन वह कोई भी वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सके। दस्तावेजों के अभाव में क्लीनिक का संचालन अवैध पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए क्लीनिक को सील कर दिया। इसके साथ ही वहां मौजूद चिकित्सा उपकरणों को भी सीज कर दिया गया। नोडल अधिकारी ने बताया कि संचालक बिजेंद्र कुमार के खिलाफ इंडियन मेडिकल कमीशन एक्ट के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों और चिकित्सा संस्थानों में हड़कंप मचा हुआ है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध अनुमति और आवश्यक दस्तावेजों के चिकित्सा संबंधी गतिविधियां संचालित करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

पीएनबी ने किसान गोष्ठियों के माध्यम से किसानों को किया जागरूक

बुलन्दशहर (सब का सपना):- पंजाब नेशनल बैंक, बुलन्दशहर मंडल कार्यालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को बैंकिंग सेवाओं, कृषि ऋण योजनाओं एवं वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न गांवों में किसान गोष्ठियों का आयोजन किया गया। गोष्ठियों में बैंक अधिकारियों ने किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि ऋण, सरकारी योजनाओं तथा बैंक की विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग एवं साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए गए।

कार्यक्रम में ग्राम प्रधानों एवं किसानों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और इस पहल की सराहना की। बैंक अधिकारियों ने कहा कि किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण एवं ग्रामीण विकास के लिए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

याकूबपुर समिति पर नए सचिव की नियुक्ति, होगा यूरिया वितरण

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू के नेतृत्व में किसानों की मांग पर याकूबपुर साधन सहकारी समिति पर नए सचिव कल्याण सिंह की नियुक्ति कर दी गई है। मुख्य विकास अधिकारी एवं कार्यवाहक जिलाधिकारी सुश्री निशा ग्रेवाल से वार्ता के बाद जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि समिति पर 4 जून को यूरिया का वितरण कराया जाएगा। चौधरी कुलदीप गुड्डू ने बताया कि किसानों की मांग पर जनपद की समितियों पर खाद उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन सक्रिय हुआ है। जिला कृषि अधिकारी के अनुसार बुधवार को 41 गाड़ियों के माध्यम से विभिन्न समितियों पर यूरिया भेजा गया है तथा दो दिनों के भीतर सभी स्थानों पर उपलब्धता सुनिश्चित कर दी जाएगी। इस दौरान किसानों की ओर से जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर सभी समितियों पर यूरिया उपलब्ध कराने, आवारा पशुओं की समस्या के समाधान, जर्जर विद्युत लाइनों की मरम्मत, नए ट्रांसफार्मर लगाने तथा आंगनबाड़ी सहायिकाओं का रुका हुआ वेतन शीघ्र जारी कराने की मांग की गई। चौधरी कुलदीप गुड्डू ने प्रशासनिक अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

पूर्वी दिल्ली के दयालपुर में गरजा एमसीडी का बुलडोजर, सड़क किनारे बने सैकड़ों मकानों की तोड़फोड़ जारी

पूर्वी दिल्ली। करावल नगर के दयालपुर क्षेत्र में नगर निगम (एमसीडी) द्वारा अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। सड़क किनारे अतिक्रमण कर बनाए गए सैकड़ों मकानों के अवैध हिस्सों को हटाने के लिए निगम की टीम अर्थमूवर और अन्य मशीनों की मदद से तोड़फोड़ कर रही है। जानकारी के अनुसार, संबंधित मकान मालिकों को लगभग 15 दिन पहले नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय के भीतर अवैध निर्माण नहीं हटाए जाने पर निगम ने यह कार्रवाई शुरू की। मौके पर निगम अधिकारियों के साथ पुलिस बल भी तैनात है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न बने। कार्रवाई के चलते क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुटी हुई है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

कम उम्र की विवाहिताओं की अप्राकृतिक मौत पर दिल्ली हाई कोर्ट गंभीर, एफआईआर में देरी पर जताई चिंता

नई दिल्ली। कम उम्र की शादीशुदा महिलाओं की अप्राकृतिक मौत होने से जुड़े मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने में हो रही देरी पर दिल्ली हाई कोर्ट ने चिंता जताई है। हाई कोर्ट ने सभी ट्रायल कोर्ट से आग्रह किया प्राथमिकी करने की मांग से लेकर दहेज से जुड़ी प्रताड़ना के आरोप लगाने ऐसे मामले जिसमें पुलिस ने कार्रवाई न की हों, उन याचिकाओं को ज्यादा प्राथमिकता दें। हाई कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट से उम्मीद की जाती है कि भविष्य में प्राथमिकी करने के निर्देश मांगने वाली उन अर्जियों पर अदालतें अधिक तेजी से सुनवाई करेंगी और उन्हें जल्द से जल्द सूचीबद्ध करेंगी। पीठ ने कहा कि ऐसा इसलिए जरूरी है ताकि प्राथमिकी करने और जांच शुरू करने का मामला महीनों तक लटका न रहे। अदालत ने उक्त टिप्पणी करते हुए दहेज के मामले में पति और उसके माता-पिता की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज करते हुए की। इस मामले में शादी के छह महीने के भीतर ही एक कम उम्र की महिला की मौत हो गई थी। पीठ ने कहा कि शोकाकुल स्वजन से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे अपनी बेटी की मौत के सदमे से जूझते हुए, तुरंत ही क्रूरता और दहेज से जुड़ी प्रताड़ना की हर घटना का ब्योरा दे देंगे।

दाऊद-आईएसआई मॉड्यूल का एक और आतंकी गिरफ्तार, चार राज्यों में छापेमारी के बाद स्पेशल सेल ने मुंबई से दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ईएसआई, पाकिस्तानी गैंगस्टर और आईएसआई के एजेंट शहजाद भट्टी और अंडरवर्ल्ड दाऊद इब्राहिम मॉड्यूल के एक और आतंकी हुफैजा को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आतंकी हुफैजा की तलाश में पिछले कई दिनों से मुंबई में सेल और मुंबई एटीएस की टीम छापेमारी कर रही थी। एक दिन पहले दैनिक जागरण में यह प्रकाशित किया था कि मुन्ना के करीबी हुफैजा की तलाश में सेल मुंबई में छापामारी कर रही है। बता दें कि हुफजा मुंबई अंडरवर्ल्ड में दाऊद इब्राहिम का राइट हैंड और आईएसआई के एजेंट मुन्ना झिंगाड़ा का करीबी है। मुन्ना कराची से उसको निर्देश देता था और यह उसके अनुसार काम कर रहा था। हुफैजा को मंगलवार रात मुंबई से गिरफ्तार किया गया। अब तक इस मॉड्यूल के नौ आतंकियों को स्पेशल सेल चार राज्यों से गिरफ्तार कर चुकी है। पिछले एक माह से आइबी के इनपुट पर स्पेशल सेल, दिल्ली मुंबई, राजस्थान और पंजाब में इस मॉड्यूल के आतंकियों की तलाश में छापेमारी कर रही थी। हुफैजा की गिरफ्तारी से डी कंपनी में और कितने आतंकियों की भर्ती की गई है ये पूछताछ की जा रही है। साथ ही मुन्ना से इसे क्या क्या टारगेट दिए गए थे इस बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

54 लाख रुपये की डकैती मामले में दिल्ली पुलिस का एक्शन, छह बदमाशों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। लाहौरी गेट थाना क्षेत्र में एक व्यापारी से गन प्वाइंट पर 54.50 लाख रुपये डकैती डालने के मामले में दिल्ली पुलिस के हाथ सफलता लगी है। उत्तरी जिला पुलिस ने बुधवार को छह बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने कुछ दिन पहले ही कार सवार व्यापारियों से बदमाशों ने लूटपाट की थी। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ये गिरफ्तारियां राजस्थान, हरियाणा और उत्तराखंड में व्यापक अंतरराज्यीय अभियानों के बाद की गईं। लूट की रकम के 50 लाख रुपये भी बरामद कर लिए गए हैं। बता दें कि 26 मई 2026 को पीएस लाहौरी गेट में 54.5 लाख रुपये की डकैती हुई थी।

उपहार सिनेमा से अनाज मंडी तक... मालवीय नगर होटल अग्निकांड ने ताजा की कई खौफनाक यादें

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली ने पिछले तीन दशकों में कई दर्दनाक हादसे देखे हैं, लेकिन कुछ अग्निकांड ऐसे रहे जिन्होंने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इन घटनाओं में दर्जनों लोगों की जान गई और सैकड़ों परिवार हमेशा के लिए टूट गए। ताजा मामला दिल्ली के इंटरनेशनल नगर इलाके के एक होटल में लगी भीषण आग का है, जिसमें अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले उपहार सिनेमा और अनाज मंडी अग्निकांड जैसी घटनाएं भी राजधानी के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज हैं। उपहार सिनेमा अग्निकांडः एक फिल्म शो बना मौत का मंजर 13 जून 1997 को दक्षिणी दिल्ली स्थित उपहार सिनेमा में फिल्म 'बॉर्डर' का प्रदर्शन चल रहा था। इसी दौरान ट्रांसफॉर्मर में तकनीकी खराबी के कारण आग लग गई। देखते ही देखते धुआं पूरे सिनेमा हॉल में फैल गया और निकासी व्यवस्था की खामियों के चलते लोग अंदर ही फंस गए। इस भयावह हादसे में 59 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। अधिकांश पीड़ितों की जान दम घुटने से गई। उपहार सिनेमा अग्निकांड को आज भी देश के सबसे चर्चित और दर्दनाक अग्निकांडों में गिना जाता है। अनाज मंडी अग्निकांडः तंग गलियों में फंसीं दर्जनों जिंदगियां दिसंबर 2019 में पुरानी दिल्ली के अनाज मंडी क्षेत्र में स्थित एक

बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लग गई थी। घटना उस समय हुई जब अधिकांश लोग सो रहे थे। इमारत में काम करने वाले मजदूर और कर्मचारी अंदर ही फंस गए। संकरी गलियों और सीमित पहुंच के कारण राहत एवं बचाव कार्य में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस हादसे में 43 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए थे। यह घटना दिल्ली के सबसे बड़े अग्निकांडों में से एक मानी जाती है। मालवीय नगर होटल हादसाः एक सुबह ने छीन लीं 21 जिंदगियां 3 जून 2026 की सुबह दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में स्थित एक होटल में अचानक आग लग गई। होटल में ठहरे कई लोग उस समय अंदर मौजूद थे। शुरूआती जानकारी के अनुसार आग तेजी से फैलती चली गई और कुछ ही देर में कई मंजिलें इसकी चपेट में आ गईं। हादसे में अब तक 21 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों में दिल्ली-एनसीआर के अलावा दूसरे राज्यों के लोग भी शामिल हैं। दमकल विभाग और बचाव एजेंसियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सुरक्षा व्यवस्था पर फिर उठे सवाल इन तीनों घटनाओं में अग्नि सुरक्षा मानकों और आपातकालीन निकासी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठे। हर बड़े हादसे के बाद जांच और सुधार की बातें जरूर हुईं, लेकिन समय-समय पर सामने आने वाली ऐसी घटनाएं बताती हैं कि अभी भी कई स्थानों पर सुरक्षा इंतजाम पर्याप्त नहीं हैं। उपहार सिनेमा, अनाज मंडी और अब मालवीय नगर होटल हादसा केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन परिवारों की त्रासदी हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को हमेशा के लिए खो दिया। दिल्ली के इतिहास में ये और ऐसे तमाम अग्निकांड ऐसे दर्दनाक अध्याय बन चुके हैं, जिन्हें भुला पाना आसान नहीं होगा।

सरकारी यूरिया तस्करी मामले में NSA की कार्रवाई, दो आरोपी निरुद्ध

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद में सरकारी यूरिया खाद की अवैध तस्करी और कालाबाजारी के मामले में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। थाना अनूपशहर में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

जांच में 1575 बोरी सरकारी यूरिया खाद को तीन ट्रकों के माध्यम से अवैध रूप से अन्य जनपदों में भेजने का मामला सामने आया। आरोप है कि सहकारी उर्वरक को निजी लाभ के लिए संगठित गिरोह के रूप में बेचा जा रहा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर आरोपी मौ. हारून निवासी रामपुर तथा रामेन्द्र सिंह उर्फ गुड्डू निवासी बिजनौर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत निरुद्ध कर दिया गया है। प्रशासन ने इसे किसानों के हितों के खिलाफ गंभीर आर्थिक अपराध बताया है।

श्रीराम के आदर्श अपनाने का आह्वान

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- पदम सिंह गेट स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर में आयोजित श्रीराम कथा में साध्वी उर्मिला भारती ने श्रद्धालुओं से भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कथा के दौरान त्रेतायुग में श्रीराम और हनुमान के संवाद का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि हनुमानजी प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त थे। कथा व्यास ने श्रद्धालुओं को सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि सत्य का साथ देने वालों के कष्ट भगवान स्वयं दूर करते हैं। इस अवसर पर प्रभात गुप्ता, सुमन गुप्ता, कमलेश अग्रवाल, हरीश शर्मा, शिल्पी बंसल, गीता तोमर सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

घर में घुसकर महिला समेत तीन पर जानलेवा हमला, एक मेरठ रेफर

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव पेमपुर में आपसी रंजिश के चलते लाठी-डंडों से लैस दो दर्जन से अधिक लोगों ने एक घर पर धावा बोलकर महिला समेत तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हुक्म सिंह की हालत नाजुक होने पर उन्हें मेरठ रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर हमलावरों ने हुक्म सिंह के घर में घुसकर उन पर, उनके भाई विकास उर्फ प्रेमपाल तथा पत्नी सावित्री देवी पर हमला कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित के पुत्र सचिन की तहरीर पर पुलिस ने 13 नामजद एवं 8-10 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद सभी नामजद आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

जनगणना-2027 कार्यों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्तः एडीएम

बुलन्दशहर (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अभिषेक कुमार सिंह ने जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को तीन दिन के भीतर प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। जूम एप के माध्यम से आयोजित बैठक में उन्होंने धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। एडीएम ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक प्रगति न होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

परिवार से जान का खतरा बताकर युवक ने एसएसपी से लगाई गुहार, सुरक्षा और कार्रवाई की मांग

सिकंद्राबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- सिकंद्राबाद क्षेत्र निवासी एक युवक ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को शिकायती पत्र देकर अपने ही परिवार के कुछ सदस्यों से जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा प्रदान करने एवं आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित युवक का आरोप है कि विवाह के बाद से उसके परिवार के कुछ सदस्य उसकी पत्नी से अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते रहे। जब उसने अपनी पत्नी का पक्ष लेते हुए इसका विरोध किया तो परिवार के लोगों ने उससे रंजिश मान ली और उसके साथ मारपीट की घटनाएं भी कीं। युवक ने अपने प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उसके खिलाफ झूठी कार्रवाई कराई गई तथा लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। उसका कहना है कि परिवार के लोगों ने उसे घर में नहीं रहने देने और गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी है। पीड़ित के अनुसार उसकी पत्नी और बच्चे के साथ भी मारपीट की गई, जिससे उन्हें चोटें आईं। युवक ने स्वयं, अपनी पत्नी और बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। एसएसपी को दिए गए शिकायती पत्र में युवक ने मुकदमा दर्ज कर परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सैदुलाजाब हादसे के बाद एक्शन में एलजी, एमसीडी अधिकारियों से पूछा- अवैध निर्माण पर रोक क्यों नहीं

नई दिल्ली। सैदुलाजाब में इमारत गिरने की घटना के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने एमसीडी के कामकाज पर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर अवैध निर्माण, भवन सुरक्षा और सफाई व्यवस्था को लेकर जवाब तलब किया। एलजी ने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी और लापरवाही किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में एलजी का संदेश साफ था कि दिल्ली को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और जिम्मेदार एजेंसियों को परिणाम दिखाने होंगे। अवैध निर्माण पर सख्ती के निर्देश बैठक में एलजी ने भवन उपनियमों के पालन की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को अवैध निर्माण व इमारतों में गैरकानूनी विस्तार के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं और जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। मानसून से पहले तैयारी पूरी करने का आदेश एलजी ने मानसून को देखते हुए स्टॉर्म वॉटर ड्रेनों की सफाई और डी-सिल्टिंग कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बारिश से पहले सभी प्रमुख नालों की सफाई का काम तय समय में पूरा किया जाए, ताकि जलभराव जैसी समस्याओं से बचा जा सके। सड़कों और सफाई व्यवस्था पर भी नाराजगी बैठक में सड़कों, फुटपाथों और सफाई व्यवस्था की स्थिति पर भी चर्चा हुई। एलजी ने धूल प्रदूषण कम करने के लिए सड़क और फुटपाथ मरम्मत कार्यों में तेजी लाने तथा कूड़ा उठाने और निस्तारण की व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाओं से जुड़े मामलों में किसी तरह की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

श्रमिक आंदोलन को हिंसक बनाने की साजिश में डीयू का छात्र गिरफ्तार, दो आरोपियों पर लगा है एनएसए

नोएडा सेंट्रल के एडीसीपी स्वतंत्र सिंह ने बताया कि जांच में पता चला है कि हिंसक आंदोलन के लिए रची गई साजिश में योगेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था। पुलिस को ऐसे कई डिजिटल और तकनीकी साक्ष्य मिले हैं जिनमें श्रमिकों को उकसाने के सबूत हैं। योगेश सोशल मीडिया और विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ा था। उसने श्रमिकों के बीच भ्रम फैलाया। इससे श्रमिकों में आक्रोश उत्पन्न हुआ। उन्होंने बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर प्रसारित किया था कि नोएडा पुलिस के एक अधिकारी का चालक श्रमिकों के संपर्क में है और वह आंदोलन से जुड़े लोगों को उकसा रहा है। पुलिस के अनुसार यह दावा पूरी तरह भ्रामक और साजिश का हिस्सा था। जांच के दौरान पुलिस ने कथित चालक अनिल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पता चला कि अनिल का किसी पुलिस अधिकारी से संबंध नहीं है और न ही वह किसी अधिकारी का चालक है। 82 स्थानों पर 42 हजार श्रमिकों ने किया था प्रदर्शन 13 अप्रैल को नोएडा में श्रमिकों का आंदोलन हिंसक हो गया था। इस दिन करीब 82 स्थानों पर 42 हजार से अधिक श्रमिकों ने प्रदर्शन किया था। इनमें तीन चार स्थानों पर श्रमिक हिंसक हो गए थे और इस दौरान करीब 400 कंपनियों में तोड़फोड़ की गई। बड़ी संख्या में फैक्टरियों, कार्यालयों और औद्योगिक इकाइयों को नुकसान पहुंचाया गया। उपद्रवियों ने कई स्थानों पर आगजनी भी की जिसके चलते 30 से अधिक वाहन जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। दो आरोपियों पर लगा है एनएसए इस मामले की जांच में पता चला था कि कई संगठनों ने इस आंदोलन को हिंसक बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे कई आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई भी की गई है। पुलिस का कहना है कि अब तक इस मामले में कई महिलाओं समेत 10 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया

धनौरा क्षेत्र में बंद कुंए में गिरकर गौवंश की मौत, प्रशासन व हिंदु संगठन के लोगों ने दी भू-समाधी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र में एक खेत के पास बंद पड़े कुंए में अचानक एक गोवंश आकर गिर गया। कुंए में बुरी तरह फंस जाने के कारण एवं उसमें से बाहर न निकालने के कारण गोवंश की उसी में मौत हो गई। जैसे-जैसे लोगों को इसकी सूचना मिलती गई वैसे ही मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई उधर हिंदू संगठन भी मौके पर पहुंच गए जिन्होंने प्रशासन में लोगों की मदद से गोवंश को भू समाधि दी। बता दें कि मामला मंडी धनौरा क्षेत्र के हैबतपुर चौधरियान रोड स्थित रेलवे फाटक के पास का है जहां पर बुधवार को एक खेत में बने बंद कुएं में अचानक गोवंश आकर गिर गया कुआं गहरा होने के कारण गोवंश उसमें बुरी तरह फंस गया और उसकी मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही अखिल भारतीय हिंदू परिषद व विश्व हिंदू महासंघ भारत के प्रदेश अध्यक्ष ओपी गोला, जिलाध्यक्ष निर्मल चौधरी उर्फ कमल सिंह, शंकर सैनी, उमेश अग्रवाल

और शनि महाराज तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन और नगर पालिका को मामले की जानकारी दी।सूचना पर नगर पालिका से बाबू केके सिंह के नेतृत्व में पालिका की टीम और जेसीबी मशीन मौके पर बुलाई गई। पशु चिकित्सा विभाग से डॉक्टर नेपाल सिंह और स्थानीय पुलिस चौकी से सिपाही कुलदीप कुमार सहित यूपी 112 के पुलिस जवान भी राहत कार्य के लिए पहुंचे।सभी ने मिलकर नंदी महाराज को सकुशल बाहर निकालने का प्रयास किया। हालांकि, गहरा गड्ढा होने और दम घुटने के कारण तब तक नंदी महाराज की मौत हो चुकी थी।इसके बाद, हिंदू रीति-रिवाजों का पालन करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों और हिंदू संगठन के पदाधिकारियों की मौजूदगी में जेसीबी मशीन की मदद से गड्ढे को बड़ा किया गया। नंदी महाराज के पार्थिव शरीर पर लाल चुनरी ओढ़ाकर नियमानुसार नमक डालकर उन्हें वहीं भू-समाधि दे दी गई। इस दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल मौके पर तैनात रहा।

कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज-मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

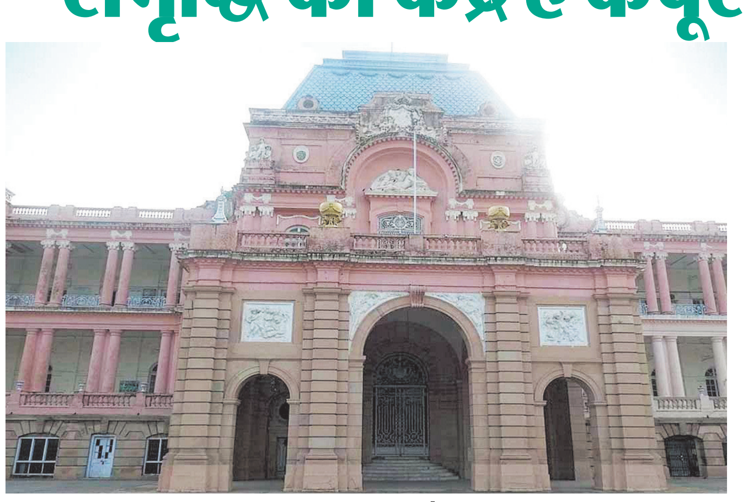

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे फ्रपंजाबी वर्सायफ्र के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं। महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़-पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ-साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

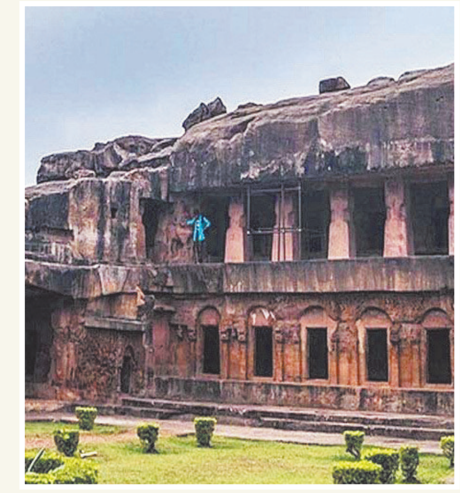

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

सोहम शाह ने शेयर की तुम्बाड 2 की डिटेल्स

सोहम शाह फिल्म 'तुम्बाड 2' की तैयारियों में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2018 में आई 'तुम्बाड' का सीक्वल है। 'तुम्बाड 2' को लेकर दर्शक उत्साहित हैं और बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं। इस बीच सोहम शाह ने सेट से एक बीटीएस तस्वीर शेयर करके दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ा दिया है। मगर, उनके इस पोस्ट पर नेटिजंस को आलिया भट्ट याद आ गई हैं। सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें सोहम शाह ने बीटीएस पल साझा किया है। उनके हाथ में सफेद रंग की एक चीज नजर आ रही है। इसके साथ सोहम शाह ने कैप्शन लिखा है, 'आज 'तुम्बाड 2' के सेट पर ये मिला। क्या मुझे चिंता करनी चाहिए' उन्होंने आगे लिखा है, 'प्रलय आएगी'।

सोहम शाह के इस पोस्ट पर नेटिजंस आलिया भट्ट को याद करते हुए कमेंट कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स इसे शुभ हस्ताक्षर और आशीर्वाद बता रहे हैं। कुछ का कहना है कि ये आटे की गुड़िया लग रही है। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'आपको चिंता करनी चाहिए, लेकिन सिर्फ अच्छे के लिए'। आलिया को याद करते हुए एक यूजर ने लिखा है, 'आलिया को देखने के लिए बेसब्र हूं'। एक ने लिखा है, 'तुम्बाड–2 में आलिया हैं। अब ये सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि पूरा सिनेमा है'।

फिल्म 'तुम्बाड 2' में आलिया भट्ट का कैमियो रोल होगा। वहीं, तीसरे पार्ट में उनका यह किरदार विस्तृत रूप में देखने को मिलेगा। साल 2018 में आई 'तुम्बाड' का निर्देशन राही अनिल बर्वे ने किया था। हालांकि, 'तुम्बाड 2' का निर्देशन वो नहीं कर रहे हैं। 'तुम्बाड 2' का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं। आदेश प्रसाद फिल्म के पहले पार्ट के को–राइटर और को–डायरेक्टर भी थे। फिल्म का निर्माण सोहम शाह अपने बैनर सोहम शाह फिल्म्स के तहत और पेन स्टूडियोज के सहयोग से कर रहे हैं। इस बार फिल्म में सोहम शाह के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

जवान के बाद अब सलमान की फिल्म में एक्शन का दम दिखाएंगी नयनतारा

विशेषज्ञों की निगरानी में करेंगी स्टंट

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्देशन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान के अपोजिट साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा नजर आएंगी। शीर्षक फाइनल नहीं होने के चलते अस्थाई रूप से इस फिल्म को स्क्ष्ट59 कहा जा रहा है। फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि इसमें नयनतारा एक्शन पैक्ड अवतार में नजर आएंगी।

दमदार एक्शन करेंगी नयनतारा

इससे पहले नयनतारा को बॉलीवुड फिल्म 'जवान' में शाहरुख खान के साथ देखा गया था। 'जवान' में भी नयनतारा का एक्शन देखने को मिला। उन्होंने अपने स्टंट से दर्शकों को हैरान कर दिया था। अब चर्चा है कि सलमान खान की आगामी फिल्म में भी वे दमदार एक्शन करती दिखेंगी। इससे फिल्म के प्रति दर्शकों में उत्साह बढ़ गया है।

एक्सपर्ट्स की निगरानी में खुद करेंगी स्टंट

मेकर्स की तरफ से फिलहाल इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक नयनतारा इस फिल्म में एक मजबूत और दमदार किरदार निभाती हुई दिखेंगी। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, नयनतारा एक्टर सलमान खान के साथ एक एक्शन से भरपूर रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे एक्सपर्ट्स की देखरेख में अपने स्टंट खुद ही करेंगी। ऐसा लगता है कि उनका किरदार काफी दमदार और अहम होने वाला है।

मनाली में चल रही शूटिंग

इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल मनाली में चल रही है, जहां एक महत्वपूर्ण शेड्यूल पर काम हो रहा है। एक्शन सीन्स के साथ–साथ, लीड जोड़ी के बीच की केमिस्ट्री भी चर्चा का विषय बन रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि सलमान और नयनतारा के बीच अच्छी बॉन्डिंग हो रही है। सलमान खान और नयनतारा के अलावा, रिपोर्ट्स के मुताबिक राजपाल यादव भी इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगे।

कब रिलीज होगी फिल्म

आने वाले महीनों में इस फिल्म की कास्टिंग को लेकर अनाउंसमेंट्स होने की उम्मीद है। मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 के मौके पर रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। सलमान खान की फिल्में अक्सर त्योहारों के सीजन में ही रिलीज होती हैं। खासतौर से ईद के मौके पर वे दर्शकों को अपनी फिल्मों की रिलीज के रूप में तोहफा देते रहे हैं। इस फिल्म के अलावा सलमान वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' में भी नजर आएंगे।

म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'सतरंगा' लाएंगे भूषण

टी–सीरीज एक बार फिर बड़े स्तर की म्यूजिकल फिल्म लेकर आने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भूषण कुमार के नेतृत्व वाली कंपनी जल्द ही अपनी नई फिल्म 'सतरंगा' का आधिकारिक ऐलान कर सकती है। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म एक भव्य म्यूजिकल ड्रामा होगी, जिसे बड़े सिनेमाई कैनवास पर तैयार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि 'सतरंगा' सिर्फ एक पारंपरिक रोमांटिक फिल्म नहीं होगी, बल्कि इसमें संगीत कहानी की सबसे अहम कड़ी बनेगा। फिल्म को एक इमोशनल और विजुअली शानदार अनुभव के तौर पर डिजाइन किया जा रहा है, जहां गाने केवल कहानी का हिस्सा नहीं होंगे, बल्कि पूरी कहानी को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग पूरी हो चुकी है और अब मेकर्स स्टारकास्ट को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। हालांकि, अभी तक किसी कलाकार के नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

शिवा ट्रिलॉजी जैसी फिल्म का हिस्सा बनना मेरा सपना

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार अब सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनमें अभिनय के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी हो। इसी बीच अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी दिली इच्छा जाहिर की और कहा कि वह भविष्य में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। अगर उन्हें 'शिवा ट्रिलॉजी' जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। आईएएनएस ने जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब 'शिवा ट्रिलॉजी' पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी।

त्रिधा ने कहा, ''मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने 'शिवा ट्रिलॉजी' के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि 'शिवा ट्रिलॉजी' से मेरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने का मौका मिलता है, तो वह मेरे करियर का सबसे खास अनुभव होगा।' त्रिधा ने बातचीत के दौरान कहा, ''मेरे लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना या ग्लैमरस किरदार निभाना ज्यादा मायने नहीं रखता। एक कलाकार की असली पहचान उसके अभिनय से होती है। अगर कोई कलाकार स्क्रीन पर सिर्फ अच्छा दिखे लेकिन अपने किरदार को सही तरीके से निभा न पाए, तो दर्शक उससे जुड़ नहीं पाते।''

तुषार कपूर ने अपने नए प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया, राजनीति पर बात की

तुषार कपूर बॉलीवुड के उन कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने कॉमेडी, ड्रामा और मल्टीस्टारर फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है। वह अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया, राजनीति और आज की युवा पीढ़ी को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि आज का भारत पहले से ज्यादा जागरूक हो चुका है और सोशल मीडिया ने लोगों को राजनीति और देश के मुद्दों के प्रति काफी सतर्क बनाया है।

तुषार कपूर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, ''मैं एक बार फिर दर्शकों के सामने कुछ नया लेकर आने के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह मेरे लिए खास अनुभव है क्योंकि मैं लंबे समय बाद फिर उसी तरह के किरदार और माहौल में लौट रहा हूं। फिल्म का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, लेकिन अभी भी 10 से 15 दिनों की शूटिंग बाकी है।'' उन्होंने निर्देशक रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ करते हुए कहा, ''मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे रोहित शेट्टी के साथ कई बार काम करने का मौका मिला। वह देश के सबसे सफल निर्देशकों में गिने जाते है। मैंने उनके साथ चार बार काम किया है और चारों बार फिल्मों को ब्लॉकबस्टर सफलता मिली। अब मुझे उम्मीद है कि पांचवीं बार भी दर्शकों का वैसा ही प्यार मिलेगा।''

तुषार कपूर ने सोशल मीडिया और राजनीति पर भी खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''पहले हमारी पीढ़ी राजनीति को इतना करीब से नहीं समझती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब मैं खुद राजनीतिक बहस और न्यूज डिबेट्स को ध्यान से देखता हूं। आज मुझे देश के अलग–अलग राज्यों की राजनीति और वहां की पार्टियों की जानकारी है। सोशल मीडिया और न्यूज प्लेटफॉर्म्स ने ज्यादा जागरूक बना दिया है। भारत में अब लोग राजनीति को गंभीरता से लेने लगे हैं। मतदान प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है क्योंकि लोग अब वोट देने के लिए घरों से बाहर निकल रहे हैं। साल 2014 के बाद देश में राजनीति को लेकर जागरूकता और ज्यादा बढ़ी है।तुषार ने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा काफी समझदार और जागरूक है।

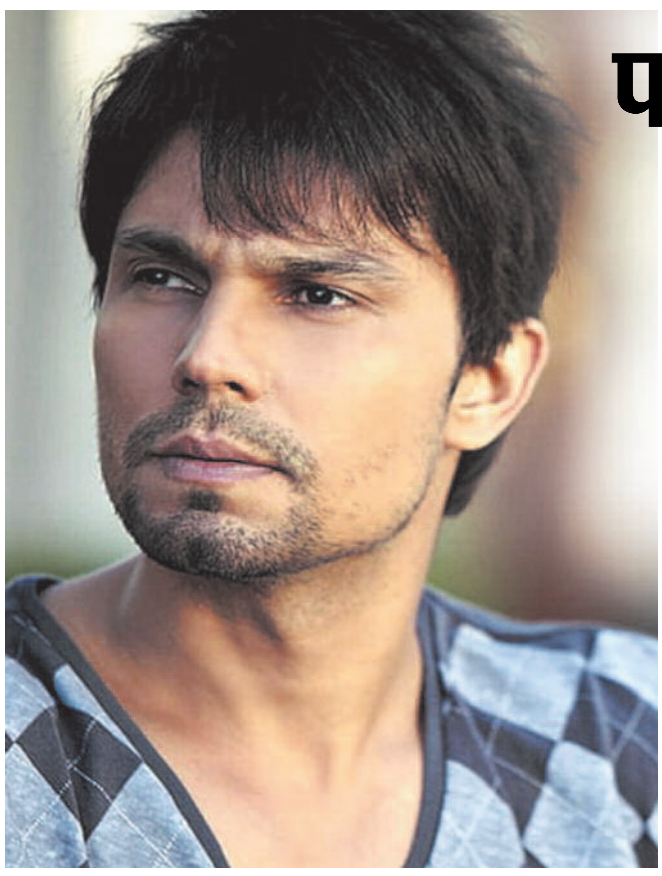

फादरहुड के बाद आए बदलाव अच्छे हैं

बात 'सरबजीत' और 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' जैसी फिल्मों में हैरान कर देने वाले बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की हो या निजी जिंदगी में बेबाकी से अपनी राय रखने की, ऐक्टर रणदीप हुड्डा अपनी जिंदगी में हमेशा ही बेखौफ और रिस्क टेकर रहे हैं। कुछ हद तक अपनी हालिया सीरीज के हीरो 'इंस्पेक्टर अविनाश' की तरह, लेकिन अब यह आजाद परिंदा एक फैमिली मैन, एक नन्ही परी न्योमिका का पिता भी बन चुका है और रणदीप मानते हैं कि पिता बनने के बाद जिंदगी में काफी सारे सकारात्मक और सुखद बदलाव आते हैं।

फादरहुड के बाद खुद में आए बदलावों के बारे में रणदीप बताते हैं, 'बदलाव बिल्कुल आए हैं। लाइफ में थोड़ा ठहराव आ गया है। जिम्मेदारी का अहसास बढ़ गया है। अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर एक अनकंडीशनल लव के बारे में सोचना और वह सोच खुद आपके अंदर आ जाती है। अब काम से घर जाने की इच्छा और ज्यादा बढ़ गई है। एक विनम्रता आ गई है। दुनिया के प्रति भी सोच नरम हो गई है तो मेरे लिए बहुत ही समृद्ध करने वाला अनुभव है। हालांकि, अभी मैं वह अनुभव कर ही रहा हूं। अभी मैं नया–नया पिता बना हूं लेकिन निश्चित तौर पर काफी सारे पॉजिटिव बदलाव हैं। मैं खुद को इसके लिए बहुत ही भाग्यशाली मानता हूं।'

डिप्लोमेसी होनी चाहिए, पर मुझमें नहीं है

अपनी बेहतरीन अभिनय क्षमता और बिंदास एटीट्यूट के लिए मशहूर रहे रणदीप यह भी मानते हैं कि इंसान को जिंदगी में नाप–तौल को बोलना और बर्ताव करना यानी डिप्लोमेसी आनी चाहिए, मगर उनमें यह गुण नहीं है। बकौल रणदीप, 'आपके बेबाक और बिंदास होने के नुकसान भी होते हैं लेकिन दिक्कत यह है कि आप जो नहीं हैं, वह बनकर रहने में ज्यादा मेहनत लगती है। फूंक–फूंक कर बोलने के चक्कर में आप एक झूठ बोलते हैं, फिर हजार झूठ बोलते हैं तो उससे बेहतर है कि सच पर ही रहो। जो लोग आपके साथ काम करना चाहेंगे वे करेंगे।'

कॉप के रोल से बच रहा था

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह यूपी के चर्चित कॉप इंस्पेक्टर अविनाश की भूमिका में काफी सराहे गए, मगर शुरू में उन्होंने यह रोल करने से ही मना कर दिया था। वजह पूछने पर वह बताते हैं, 'दरअसल, मैं कॉप का रोल करने से बच रहा था। मुझे लगा था कि मैं कॉप के किरदार कुछ ज्यादा ही कर रहा हूं तो कहीं टाइपकास्ट ही ना हो जाऊं, मगर जब नीरज भाई (डायरेक्टर नीरज पाठक) ने कहानी सुनाई, तो मैं ना नहीं कर पाया।' वहीं, टाइप कास्टिंग के खतरे पर रणदीप आगे कहते हैं, 'टाइप कास्टिंग इंडट्री का एक कड़वा सच है, मगर चॉइस आपके हाथ में होती है कि आप खुद को दोहराना चाहते हैं या नहीं। कोई जबरदस्ती तो आपसे कुछ करा नहीं लेगा। मैंने काफी बार ऐसे रोल मना किए हैं, जो हाल ही किए होते हैं या उसमें मुझे नयापन नहीं लगता। वैसे, काम मना करना भी आसान नहीं होता है, क्योंकि ऐक्टर का सबसे बड़ा काम ही काम पाना है। वरना उसके लिए एक बहुत बड़ी मशीनरी लगती है जो सबके बस की बात नहीं है।'

राइटिंग में मजा आ रहा है

रणदीप ने अपनी फिल्म स्वातंर्त्य वीर सावरकर में निर्माता–निर्देशक की भूमिका भी निभाई थी। उस ओर आगे का प्लान पूछने पर उन्होंने बताया, 'बहुत कुछ चल रहा है। हालांकि, जब मैं वीर सावरकर पूरी करके रिलीज कर रहा था, तब कान पकड़ लिया था कि आज के बाद कभी ऐसा नहीं करूंगा, लेकिन आपको कभी न करने वाली बात नहीं कहनी चाहिए। मैंने दो स्क्रिप्ट्स लिखी हैं। और भी लिख रहा हूं। मुझे राइटिंग में बहुत मजा आने लगा है। पहले क्या होता था कि जब बतौर ऐक्टर रोल आते थे तो हम करते थे, वरना काउच से बिस्तर और बिस्तर से काउच के बीच एक बड़ी लंबी जर्नी होती है। उसमें बहुत वक्त खाली बीतता था पर राइटिंग शुरू करने के बाद जब मैं ऐक्टिंग नहीं कर रहा होता हूं तब भी बहुत एक्साइटेड रहता है कि ऑफिस में जाकर कुछ लिख दूं, कुछ को–राइट कर लूं। कुछ फिल्म देख लूं तो बहुत कुछ करने का उत्साह रहता है जो सबसे बड़ी बात है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।